केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 202 सोमवार 12 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भाजपा ने घोषित किया विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी, संयोजक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा की ओर से जिले के प्रस्ताव पर क्षेत्रीय कार्यालय गोरखपुर की ओर से बस्ती के पांचों विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रभारी और संयोजकों की सूची जारी की गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत प्रस्ताव भेजा गया था। शनिवार को यह सूची क्षेत्रीय कार्यालय से जारी की गई है। बस्ती सदर विधानसभा से विवेकानंद वर्मा प्रभारी व अनूप खरे संयोजक, विधानसभा हर्रैया से राजेश पाल चौधरी प्रभारी व कुंवर आनंद सिंह संयोजक, विधानसभा कप्तानगंज में यशकांत सिंह प्रभारी व सुखराम गोंड संयोजक बनाए गए हैं। इसके अलावा महादेवा विधानसभा क्षेत्र से राजेंद्र गोंड को प्रभारी और विनोद शुक्ला को संयोजक एवं रुधौली विधानसभा क्षेत्र से आनंद सिंह कलहंस प्रभारी और राकेश शर्मा को संयोजक पद की जिम्मेदारी दी गई है।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा पुलिस ने बंद मकान से सामान चोरी करने के मामले में दो आरोपित को पकड़ा है। प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्र ने बताया कि थानाक्षेत्र के भानपुर गांव निवासी राधेश्याम मिश्र ने तहरीर देकर कहा था कि मैं अपने मकान में ताला बंदकर संतकबीरनगर चला गया। पिछले आठ फरवरी को मैं अपने घर आया तो देखा कि घर का ताला टूटा था, सारा सामान बिखरा था।

मेरी बहू की छह साड़ी, पायल, बिछिया, अंगूठी, दो पंखा, सिलाई मशीन, दो पराता, गगरा, बटुली व छोटे भाई मुनिराम मिश्र के घर के पीछे के दरवाजे को खोलकर सिलेंडर, टुल्लू पंप, कुकर बर्तन सहित अन्य सामान चोरी कर लिया गया था। पुलिस ने खोजबीन करते उक्त सामान के साथ थाना क्षेत्र के भानपुर गांव के शक्तिनगर हरिजन टोला निवासी शातिर चोर मिथुन उर्फ सुनी और चन्द्रपाल को पकड़ा है।

निपुण ट्री और सेल्फी प्वाइंट रहा आकर्षण का केन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित समस्त योजनाओं का प्रदर्शन करता हुआ स्टॉल जिसके बगल में एक निपुण ट्री और सेल्फी प्वाइंट बनाया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें स्वनिर्मित शिक्षण अधिगम सामग्री तथा निपुण लक्ष्य एजुकेशनल गेम्स आज हैंगिंग रूप से शोभा को बढ़ा रहे थे। प्रमुख सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को निपुण ट्री और सेल्फी प्वाइंट के बारे में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार ने विस्तार से बताया। प्रमुख सचिव ने बेसिक शिक्षा विभाग के स्टॉल की प्रशंसा किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में तथा खंड शिक्षा अधिकारी प्रभात श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इसके निर्माण में एसआरजी आशीष कुमार श्रीवास्तव, शिक्षक मारुति नंदन, दौलत राम, आलोक कुमार, अजिता भारती, प्रदीप कुमार जायसवाल, एआरपी, राकेश कुमार पांडेय, अंगद प्रसाद पांडेय, राम केवल, हरि प्रकाश, अरविंद निषाद व जयप्रकाश चौधरी आदि ने सहयोग किया।

स्टाल में बच्चों में मनीषा गौतम कक्षा सात संख्या पद्दति व चंद्रयान व शिवांश कक्षा आठ ने पावर प्लांट पर अपने मॉडल को प्रमुख सचिव के सामने प्रस्तुत किया। प्रमुख सचिव ने तमाम प्रश्नों को बच्चों से पूछा और बच्चों ने संतोषजनक जवाब दिया। इस अवसर पर स्टाल में शिक्षिका फारिया जमाल उस्मानी, अजीता भारती, सुप्रिया श्रीवास्तव, शिखा पांडये, श्रुति आदि उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री योगी ने मंत्रियों, विधायकों के साथ किया रामलला का दर्शन

संवादादाता– अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर रविवार को समाजवादी पार्टी को छोडकर सभी दलों के विधायक और योगी सरकार के विधायक, मंत्री प्रभु श्रीराम लला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस अवसर पर परिवहन निगम की लग्जरी बसों में सवार सभी विधायकों ने इस पुण्य कार्य के लिए सीएम योगी का आभार जताया। सत्ता पक्ष के साथ साथ विपक्षी दलों के विधायक भी पूरी तरह राम धुन में मगन दिखाई दिए।

उल्लेखनीय है कि अयोध्या दर्शन करने पहुंचे विधायकों में बीजेपी के सहयोगी दलों के साथ साथ आरएलडी, बसपा और कांग्रेस के भी विधायक शामिल हुए। जिन बसों से विधायकों को अयोध्या ले जाया गया, उन बसों के अंदर रामधुन भी बजाई गई। तमाम तरह के फूल लगाए गए हैं। खाने–पीने की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा मंत्रियों और विधायकों को मेमोरी के लिए एक बैग दिया जा रहा है, जिसमें एक डायरी, एक कैलेंडर और पेन इत्यादि रखा हुआ है।

दर्शन करने के बाद सभी ने भव्य रामलला मंदिर के सामने फोटो खिंचवाकर इस पल को यादगार बनाया। इस अवसर पर बीजेपी और घटक दलों के विधायकों ने कहा कि यह 500 वर्षों बाद बड़ा पुनीत कार्य हुआ है। हम सबने सपना देखा था की एक दिन प्रभु श्रीराम का मंदिर बनेगा और आज न सिर्फ मंदिर बन गया है, बल्कि दर्शन का अवसर भी मिल रहा है। दर्शन करने के बाद इस मौके पर यूपी के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भावुक हो गए।

बढ़नी मिश्र गांव में दिलायी पंच प्रण की प्रतिज्ञा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने दायित्वों का निर्वाह करना होगा। कप्तानगंज ब्लाक के बढ़नी मिश्र गांव में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह विजन है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने गांव के मंदिर में दर्शन करने के बाद लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया, पंच प्रण की प्रतिज्ञा दिलाया तथा अच्छे कार्यों के लिए ग्राम प्रधान राजबली को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने समृद्ध विरासत से प्रेरणा लेकर भारत को विश्व गुरु बनाना है। बढ़नी मिश्र गांव इक्ष्वाकु वंश के गुर महर्षि वशिष्ठ के आश्रम का गांव है, जहां उन्होंने प्रभु राम तथा उनके तीनों भाइयों को शिक्षा प्रदान किया।

मुख्य सचिव ने अपने पूर्वजों को याद करते हुए बताया कि यहां से निकलकर उन्होंने वर्तमान के मऊ जनपद में पहाड़ीपुर गांव को बसाया। इतने वर्षों के बाद उन्हें अपने पूर्वजों के घर आकर काफी सुकून मिल रहा है। उन्होने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनान्तर्गत बृज नरायन सिंह एवं श्रीमती दीपिका दुबे को रू0 10–10 लाख, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत अनूप कुमार तिवारी को रू0 25 लाख, ओडीओपी वित्तपोषण सहायता योजनान्तर्गत लक्ष्मण शर्मा को रू0 10 लाख तथा स्वयं सहायता समूह ऋण योजनान्तर्गत भारत बुटिक स्वयं सहायता समूह को रू0 2 लाख का डेमो चेक प्रदान किया।

इस अवसर पर स्मार्टफोन वितरण योजना के अन्तर्गत लवकुश, सुश्री सीलम को स्मार्टफोन, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत श्रीमती अर्चना एवं विनीता को टेलरिंग हेतु सिलाई मशीन तथा एक जनपद एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत मो. इरशाद एवं मंगल सिंह को फर्नीचर किट, आयुष्मान योजनान्तर्गत मीना एवं गब्बूराम को आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत विनोद कुमार मिश्रा एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजनान्तर्गत बड़े नरायन को के.सी.सी., कृष्णनन्द चौधरी को रू0 29 लाख का ऋण तथा जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत मीरा देवी एवं सुमन यादव को लाभान्वित किया गया। गांव में भारत संकल्प यात्रा, कृषि, जल जीवन मिशन तथा सूचना विभाग द्वारा एलईडी के माध्यम से योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया। सूचना विभाग द्वारा निःशुल्क उत्तर प्रदेश संदेश का लोगों में वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त अखिलेश सिंह के साथ ही अनेक विभिगीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने किया बस्ती गजेटियर का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें ताकि सेवा से हटने के बाद गर्व महसूस कर सके। आयुक्त सभागार में समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। सेवाओं में तकनीक का प्रयोग बढ़ा है और इससे आम लोगों के जीवन में सुधार दिखाई दे रहा है। उन्होंने तहसील संपूर्ण समाधान दिवस, थाना दिवस प्रभावी ढंग से संचालित करने पर बल देते हुए निर्देशित किया कि अधिकारी प्रतिदिन 10 से 12 बजे कार्यालय में बैठ कर लोगों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। इस अवसर पर उन्होंने बस्ती जनपद के गजेटियर का लोकार्पण भी किया। उन्होंने आयुक्त परिसर में रुद्राक्ष तथा आम का वृक्षारोपण भी किया।

उन्होंने कहा कि आगामी 19 फरवरी को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन लखनऊ में किया जा रहा है, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किया जाएगा। इसका सीधा प्रसारण सभी जनपदों में पहले से स्थापित तथा नए उद्योगों के उद्यमियों को दिखाई जाए। एमओयू साइन करने वाले सभी उद्यमी इसमें शामिल हो। समय–समय पर उनके साथ बैठक करके उनकी समस्याओं का निस्तारण भी किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक वातावरण तैयार हुआ है और हम निश्चित रूप से एक बिलियन डॉलर की इकोनॉमी तैयार करने में सफल होंगे।

उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि बस्ती परिक्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों के प्रति अपराधों में कमी आई है। पुलिस विभाग में भी तकनीक का प्रयोग बढा है। सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से खुलासा होने वाले अपराधों के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी जाए। सभी मार्केट, बाजार क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा की संख्या बढ़ाई जाए। इससे अपराध नियंत्रण में भी सुविधा होगी।

–पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कर्तव्यों का पालन करें अधिकारी

उन्होंने कहा कि खेती किसानी में भी डिजिटल प्रयोग बढ़ा है। डिजिटल क्रॉपसर्वे प्रत्येक सीजन में कराया जा रहा है। आने वाले समय में किसानों को सभी सुविधाएं एवं सूचनाएं डिजिटल प्रदान की जाएगी।

मुख्य सचिव ने मंडल के तीनों जनपदों में कृषि उद्यान, मत्स्य एवं पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इसको विकसित करने के लिए कार्य योजना तैयार कर भेजें। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्य योजना तैयार करें तथा उसके लिए गंभीरता से प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में लोकसभा के निर्वाचन होने हैं। कानून व्यवस्था की दृष्टि से यह अत्यंत संवेदनशील निर्वाचन होगा। ऐसे समय में अराजक तत्व माहौल बिगड़ने का प्रयास करेंगे परंतु हमें तत्काल कार्रवाई करके सौहार्द एवं भाईचारा बनाए रखना है ताकि शांतिपूर्ण वातावरण में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हो सके। उन्होंने सभी मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभी से निरोधात्मक कार्रवाई करना शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक दृष्टिकोण से यह अमृत काल चल रहा है और सभी अधिकारियों को कार्य करने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। ऐसे वातावरण में अधिकारी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देने का प्रयास करें ताकि वह आगे आने वाले समय में गौरवान्वित हो सके।

आई.जी. आर. के. भारद्वाज ने बताया कि कावड़ यात्रा आयोजन के लिए आईएसओ सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। जनसुनवाई/आईजीआरएस के मामलों के निस्तारण में परिक्षेत्र को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। महिला एवं बाल अपराधों में कमी आई है तथा मिशन शक्ति कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित किया गया है। परिक्षेत्र के 7000 प्वाइंट्स पर लगभग 23000 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। 27 वर्षों के बाद मूडघाट फायरिंग रेंज को पुलिस के लिए पुनः चालू किया गया है। ऑपरेशन क्लीन के अंतर्गत पुराने वाहनों का निस्तारण किया गया है। ऑपरेशन कवच के अंतर्गत नेपाल बॉर्डर के सभी गांव में ग्राम समितियां गठित की गई है तथा सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। भूमि विवाद समाधान के लिए अभियान संचालित किया गया है।

जिलाधिकारी बस्ती अंद्रा वामसी ने बताया कि मुकदमों के निस्तारण, 1185 ग्राम पंचायत में मत्स्य के साथ केले की खेती, 250 अमृत सरोवर, 14 लर्निंग लैब, अटल आवासीय विद्यालय, डिजिटल क्रॉप सर्वे, कृषि विज्ञान केंद्र में मशरूम प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में लाभार्थियों को 13.60 करोड़ रूपया वितरित करके उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने अनुरोध किया कि नया जिला अस्पताल, नगर पालिका क्षेत्र की तीन प्रमुख सड़कों, स्वामित्व योजना में फॉर्म सात का जनरेशन, बस्ती विकास प्राधिकरण का शीड कैपिटल, केला टिशु लैब की स्थापना कराने का कष्ट करें।

जिलाधिकारी संत कबीर नगर महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि बखिरा झील को इको फ्रेंडली पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। जनपद में एकीकृत कंट्रोल कमांड सेंटर स्थापित किया गया है। जिला जेल में 100 गायों की गौशाला तैयार की जा रही है। उन्होंने अनुरोध किया कि जनपद में मेडिकल कॉलेज, चार नए थाने, कांटे को ब्लॉक बनाने तथा बंद कताई मिल में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा सकता है।

जिलाधिकारी सिद्धार्थ नगर पवन अग्रवाल ने बताया कि जनपद में केले के रेशे से डलिया तथा चप्पल बनाई जा रही है। गौशालाओं में वर्मी कंपोस्ट बनाना शुरू किया गया है। जनपद में मत्स्य पालन का काफी स्कोप है। उन्होंने कपिलवस्तु में पर्यटन विभाग द्वारा निर्मित 75 करोड़ के निर्माण कार्यों, भारत भारी मंदिर के विकास तथा मझौली सागर पर्यटन विकास योजना को बढ़ावा देने के लिए अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि देश के 112 आकांक्षात्मक जिलों में सिद्धार्थनगर को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, जिसके लिए उसे 7 करोड रुपए का इनाम मिला है। इससे कार्य करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी, संतकबीर नगर के सत्यजीत गुप्ता, सिद्धार्थनगर की प्राची सिंह, सीडीओ जयदेव सीएस, जयेंद्र कुमार, संत कुमार, एडीएम कमलेश चन्द्र, अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पांडेय, संयुक्त विकास आयुक्त पीके शुक्ला, सीआरओ संजीव ओझा, उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. नीरज पांडये, संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चंद तिवारी तथा मंडलीय विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

13 फरवरी को दिल्ली कूंच पर अड़े किसान, 8 जिलों में इंटरनेट सेवायें बंद

चण्डीगढ (आभा)। हरियाणा और पंजाब के किसान संगठनों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने समेत अन्य मांगों को लेकर 13 फरवरी को दिल्ली कूच का ऐलान किया है। किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए हरियाणा सरकार ने पंजाब से आने वाले सभी बॉर्डर सील कर दिए हैं। 12 जिलों में धारा 144 लागू कर आठ जिलों में इंटरनेट सेवाओं को भी बंद करने का फैसला लिया है।

राज्य के गृह विभाग के मुताबिक, अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा और पुलिस जिला डबवाली में 11 फरवरी को सुबह छह बजे से लेकर 13 फरवरी रात 12 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, बल्क एसएमएस और डोंगल सर्विस ठप हो गए हैं। व्यक्तिगत एसएमएस, बैकिंग एसएमएस, ब्रॉडबैंड व लीज लाइंस पहले की तरह चलती रहेंगी।

अंबाला में डीसीपी ने कहा कि, किसान आंदोलन के कारण, हमने शंभू सीमा को सील कर दिया है... जब वे (किसान) यहां आएंगे, तो हम उनसे अनुरोध करेंगे कि वे इससे आगे न जाएं क्योंकि उनके पास इसकी अनुमति नहीं है।' हम चाहते हैं कि वे शांतिपूर्वक आंदोलन समाप्त करें।

किसान आंदोलन पार्ट 2 की आहट

से दिल्ली और हरियाणा पुलिस सतर्क है। बहादुरगढ़ में पांच लेयर की सुरक्षा के इंतजाम किये हैं। टीकरी बॉर्डर पर कंटीले तार और सिमेंटिड बैरिकेड लगाए गए हैं। सर्विलांस के लिए आधुनिक कैमरे और साउंड सिस्टम भी लगाया गया है। 13 फरवरी को किसानों ने दिल्ली चलो का एलान कर रखा है।

महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की बैठक में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक रविवार को बैरियहवां स्थित शिविर कार्यालय पर जिलाध्यक्ष रतनबाला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में आगामी 17 मार्च को एक दिवसीय अधिवेशन के माध्यम से नवीन कार्यकारणी समिति के पदाधिकारियों का चयन करने, अधिवेशन की तैयारियों के लिए 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। महिला कर्मियों की समस्याओं को लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी से द्विपक्षीय वार्ता करने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया।

संघ की जिलाध्यक्ष रतनबाला श्रीवास्तव ने बताया कि जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक में आगामी 17 मार्च को एक दिवसीय अधिवेशन करने, अधिवेशन के दौरान जिला कार्यकारिणी समिति की नई कार्यकारिणी का गठन करने, अधिवेशन की तैयारियों के लिए 5 सदस्यीय कमेटी जिसमें मण्डल अध्यक्ष शिवसागर पाण्डेय, सन्त कबीर नगर के संरक्षक अयोध्या प्रसाद चौधरी, सल्टौआ गोपालपुर की अध्यक्ष सरोज शुक्ला, जिला संरक्षक कामरेड के.के. श्रीवास्तव सदस्य का गठन किया गया।

जिलाध्यक्ष रतनबाला श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में आंगनवाड़ी कर्मियों की समस्याओं के निराकरण हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी से द्विपक्षीय वार्ता करने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओ के लिए शुल्क दवा के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने का फैसला लेना जहां एक ओर जनहित का कार्य किया गया वही दूसरी ओर प्रदेश एवं केन्द्र सरकार ने चुनावी वर्ष में भी मानदेय में कोई भी बढ़ोतरी न करके महिला आंगनबाड़ी कर्मचारियों के अरमानों को आघात पहुचाया है।

-अधिवेशन की बनी रणनीतिः 5 सदस्यीय कमेटी का गठन
-आंगनबाड़ी हितों के लिये जारी रहेगा संघर्ष -रतनबाला

बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला संरक्षक कामरेड के.के. श्रीवास्तव ने कहा कि जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय द्वारा कोटेदारों के माध्यम से जो खाद्यान्न आंगनबाड़ी केन्द्रों को उपलब्ध कराया जा रहा है वह ग्राम पंचायत के कोटेदारों के द्वारा न देकर कई किलो मीटर दूर के कोटेदारों को आबंटित किया गया है जिससे कारण कोटेदार राशन हडप ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह समूह की महिलाओं द्वारा कार्यालय गोदाम से उठान किये जाने वाले खाद्यान्न में कटौती की जा रही है।

मण्डल अध्यक्ष शिवसागर पाण्डेय ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के पद पर 2012 से नये चुनाव नहीं हुए, हर माह कार्यकत्रियां रिटायर हो रही है। एक केन्द्र की कार्यकत्री को कई केन्द्र का प्रभार देखना पड़ रहा है उन्हें ना तो अतिरिक्त मानदेय दिया जा रहा है ओर न ही परफार्मेंस बोनस दिया जा रहा है, इस तरह उनसे बेगार कराया जा रहा है। रिटायर्ड कर्मियों को एक मुस्त कोई धनराशि नहीं दी जा रही है।

जिला कार्यवाहक अध्यक्ष सरोज शुक्ला ने कहा कि प्रत्येक स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का शोषण उत्पीड़न एवं धनादोहन किया जा रहा है। कार्यालय से जबरन रजिस्टर की विक्री की जा रही है उन्होंने कहा कि अब आंगनबाड़ी कर्मचारी शोषण उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेगी। बैठक में रानी सिंह, सरिता देवी,सरला चौधरी, कोकिला देवी, चन्द्र प्रभा यादव,पूनम सिंह, ऊषा शर्मा, अनीता पाण्डेय, कुसुम चौधरी,सुनीता सिंह, ऊषा चौधरी, अयोध्या प्रसाद चौधरी, जय प्रकाश शुक्ल आदि ने सम्बोधित करते हुये जमीनी मुद्दे उठाये।

प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित हुये एम.बी.बी.एस. में चयनित छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को जनपद के हरैया कस्बे में संचालित राजीव दीक्षित कैरियर इंस्टीट्यूट के एम.बी.बी.एस. में चयनित छात्रों को राम कृपा योग पीठ में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर अंग वस्त्र, पुस्तक, स्मृति चिन्ह और चिकित्सा से जुड़े उपकरण भेंटकर सम्मानित किया गया।

इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक डॉ. दीनानाथ पटेल ने चयनित छात्रों का हौसला बढाते हुये कहा कि यह एक भ्रम है कि महानगरों में अध्ययन के बाद ही डाक्टर, इंजीनियर बना जा सकता है। राजीव दीक्षित कैरियर इंस्टीट्यूट के 5 छात्रों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर एम.बी.बी.एस. में चयनित हुये और उन्हें अध्ययन के लिये सरकारी मेडिकल कालेज मिला यह बड़ी उपलब्धि है। उन्होने एम.बी.बी.एस. में चयनित छात्रों का आवाहन किया कि वे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सुयोग्य चिकित्सक बने। मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। कहा कि राजीव दीक्षित कैरियर इंस्टीट्यूट छात्र हितों के लिये पूरी तरह से समर्पित है।

–राजीव दीक्षित कैरियर इंस्टीट्यूट छात्रों के लिये समर्पित–डा. दीनानाथ पटेल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखनऊ के डिवाइन मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल के हृदय रोग विभागाध्यक्ष डा. अम्बुकेश्वर सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि यह सुखद है कि उन्हें चिकित्सक बनने का अवसर मिल रहा है। कहा कि राजीव दीक्षित कैरियर इंस्टीट्यूट समूचे देश में पहला ऐसे केन्द्र हैं जहां संख्या के अनुपात में सर्वाधिक छात्रों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण किया।

प्रतिभा सम्मान समारोह के अवसर पर प्रगति त्रिपाठी, संदीप वर्मा, आशीष कुमार वर्मा, जयनारायण भारती को अतिथियों ने उनके चयन पर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से डा. प्रवीण मौर्या, डा. राजीव गुप्ता, डा. प्रमोद चौधरी, डा. राजेश पटेल, डा. विजय सिंह, डा. आशुतोष पाण्डेय, डा. प्रदीप कुमार पाल, डा. विनीत सिंह, डा. अनूप चौधरी, डा. आलोक रंजन वर्मा, संदीप, राजेन्द्र, शिवराम, अशोक, अनिल, फिराजे के साथ ही राजीव दीक्षित कैरियर इंस्टीट्यूट के शिक्षक, छात्र और स्थानीय नागरिक, अभिभावक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 फरवरी 2024 सोमवार

सम्पादकीय

भारत रत्न और राजनीति

इसमें दो राय नहीं, भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। जिन व्यक्तियों ने देश के लिये असाधारण योगदान राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में दिया हो, उन्हें इस सम्मान का हकदार माना जाता रहा है। निश्चित रूप से केंद्र सरकारें अपनी विचारधारा और राजनीतिक सुविधा से पुरस्कारों की घोषणा करती रही है। पिछले दिनों बिहार में सामाजिक क्रांति के अगुवा रहे कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई थी। फिर अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर आंदोलन के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी को पुरस्कार दिया गया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिये किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की जानकारी दी। इस साल अब तक पांच लोगों को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा की जा चुकी है। सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का तांता लगा है लेकिन लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि कितने लोगों को एक साल में भारत रत्न पुरस्कार दिया जा सकता है। कहा जा रहा है कि नियम के अनुसार एक साल में अधिकतम तीन लोगों को ही भारत रत्न से सम्मानित किया जा सकता है। ऐसे में प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि क्या इस संबंध में सरकार ने नियमों में कतिपय बदलाव किये हैं या फिर इन्हें किसी दूसरे वर्ष में सम्मानित करने का फैसला किया गया है। निस्संदेह, भारत रत्न सर्वोच्च नागरिक सम्मान है और इसकी अपनी गरिमा और प्रतिष्ठा है। जिनके असाधारण प्रयासों से देश को लाभ हुआ हो उन्हीं को इस पुरस्कार के योग्य माना जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 में नियम से हटकर चार बड़ी हस्तियों को भारत रत्न के लिये चुना गया था। फिलहाल, विपक्षी दल पुरस्कार की घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहे हैं।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि केंद्र सरकार ने पुरस्कारों के जरिये विभिन्न राज्यों में राजनीतिक समीकरणों को साधा है। चुनावी साल में पांच हस्तियों को देश के सबसे बड़ा नागरिक सम्मान दिये जाने के राजनीतिक निहितार्थ देखे जा रहे हैं। निस्संदेह किसानों के नेता व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जाट समाज में खासा प्रभाव रहा है। यह फैक्टर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली की जाट बहुल सीटों को प्रभावित कर सकता है। इसे चौधरी चरण सिंह की राजनीतिक विरासत संभाल रहे जयंत चौधरी के भाजपा से जुड़ाव की कवायद के रूप में भी देखा जा रहा है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न देकर यह दर्शाने का प्रयास किया कि भाजपा कांग्रेस के पूर्व नेतृत्व को पूरी तरह खारिज नहीं करती। राव को मरणोपरांत यह सम्मान देकर भाजपा ने दक्षिण भारत के मतदाताओं को भी प्रभावित करने का प्रयास ही किया है। कृषि क्रांति के सूत्रधार एमएस स्वामीनाथन के असाधारण योगदान पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। भले ही पुरस्कार की टाइमिंग को लेकर सवाल उठे हों। निस्संदेह पुरस्कार के जरिये दक्षिण भारतीय प्रतिभा को प्रतिष्ठा देने की कोशिश हुई है। जिसको चुनावी वर्ष में दक्षिण के मतदाताओं को प्रभावित करने के तौर पर देखा जा सकता है। यह सर्वविदित है कि किसानों ने पिछले कुछ वर्षों में कृषि सुधारों को लेकर लंबे आंदोलन चलाए हैं। इस कदम को किसानों को संतुष्ट करने के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं भाजपा व मंदिर आंदोलन के सूत्रधार रहे पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न तब दिया गया जब विपक्ष द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पूर्व दिग्गजों की अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाये गए थे। पार्टी ने इसके जरिये न केवल अपने मतदाताओं को संदेश दिया बल्कि यह जताने का प्रयास भी किया कि वह अपने सीनियर नेताओं का सम्मान करती है। वहीं बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को यह सम्मान देने की मंशा वंचित समाज में पैठ बनाने के रूप में देखा गया। बिहार में सत्ता परिवर्तन को इसकी तात्कालिक प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया। निस्संदेह, देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान की गरिमा बनी रहनी चाहिए।

नौकरी देने वाला क्यों न बनें युवा

–सुहैल अली–

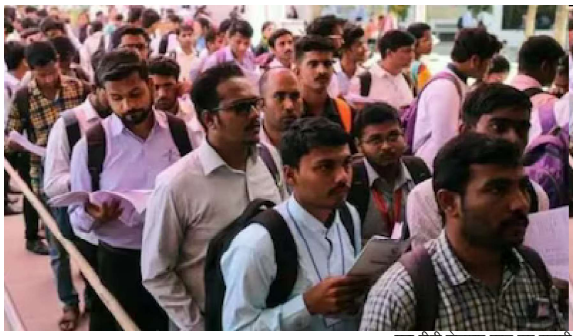

समय के साथ साथ इंसान ने ऐसी चीजें खोज ली हैं जो हर संभव सफलता हासिल कर उसके जीवन को आसान बना रही है. इसमें विज्ञान और टेक्नोलॉजी का सबसे बड़ा योगदान है. इसकी मदद से आज इंसान दुनिया के एक कोने से बैठकर किसी भी कोने में आसानी से लोगों से बात कर सकता है. धरती पर बैठकर इंसान ब्रम्हांड की खोज कर रहा है. चंद्रमा पर चंद्रयान और सूर्य पर अपने मिशन भेज रहा है. ऐसा लगता है मानों मनुष्य विकास के सभी चरणों को पार करने की कगार पर है. टेक्नोलॉजी के विकास ने न केवल दूरियां मिटा दी हैं बल्कि रोजगार के अनगिनत दरवाजे भी खोल दिए हैं. एक समय था जब इंसान पैसा कमाने के लिए दर दर भटकता था, लेकिन आज प्रति दिन लाखों रुपये महीना कमा रहा है.

आज व्यक्ति के लिए रोजगार के अनेकों अवसर हैं. इसमें कोई संदेह नहीं है कि युवा पीढ़ी बेरोजगारी से तंग है. नौकरियों के लिए अवसर तलाश रहा है. एक एक पद के लिए हजारों बेरोजगार नौजवान आवेदन करते हैं. लेकिन टेक्नोलॉजी के इस युग में युवा पीढ़ी को अब अपनी सोच बदलनी चाहिए. उसे अब नौकरी ढूंढने की बजाय नौकरी देने वाला बनने पर ध्यान देना चाहिए. हालांकि यह सच है कि यदि हम समाज में रोजगार के अवसर पैदा करने में अपनी भूमिका निभाएंगे तो इससे ज्यादा मदद नहीं मिलेगी क्योंकि अवसरों के साथ साथ कई स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. यही कारण है कि वर्तमान समय में बेरोजगारी जैसी समस्याओं से जूझ रही युवा पीढ़ी हर तरह के कानूनी और गैरकानूनी हथकंडे अपना रही है. कुछ नौजवान नशीली दवाओं के इस्तेमाल और गलत कार्यों की ओर कदम बढ़ाने लगे हैं, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्म की बात है. अगर युवा पीढ़ी को बेहतर दिशा में ले जाना है तो उन्हें इस ओर जाने की बजाय स्वरोजगार और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के अवसर ढूंढने होंगे.

आज हमारे पास आगे बढ़ने के कई अवसर हैं. लेकिन मुद्दा यह है कि सही दिशा में कदम किस प्रकार उठाया जाए, जिससे कि परिवार, समाज और देश को फायदा पहुंचे? इसके लिए यदि सरकार और प्रशासन के साथ–साथ युवा भी आगे आएं तो निश्चित तौर पर हमारा समाज विकास की राह पर चल सकता है. युवाओं को अपने रोजगार और आजीविका के लिए अपने माता–पिता या बुजुर्गों का मुंह ताकने की बजाय खुद अपने हाथ आगे बढ़ाने चाहिए ताकि वे समाज में अपनी भूमिका निभा सकें. इस काम के लिए सरकार भी उनकी मदद करने को तैयार है. जिसका युवाओं को फायदा उठाना चाहिए. देश के अन्य हिस्सों की तरह जम्मू के सीमावर्ती जिला पुंछ में भी युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और उनका गलत दिशा में कदम उठाने की समस्या आम है.

इस संबंध में पुंछ निवासी 22 वर्षीय सैय्यदा तैयबा कौसर कहती हैं कि आज युवाओं के पास भरपूर क्षमता और कौशल है, इसे साबित करने के लिए पर्याप्त अवसर भी हैं. उन्हें केवल अपने लक्ष्य को परिभाषित करने की आवश्यकता है. टेक्नोलॉजी इस कार्य में बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है. इसकी मदद से न केवल युवा पीढ़ी रोजगार प्राप्त कर सकती है बल्कि नौकरी प्रदाता भी बन सकती है. वहीं 24 साल के युवा अजहर अली कहते हैं कि "मैं अच्छा क्रिकेट खेलता हूं, लेकिन मेरे पास क्रिकेट को बेहतर बनाने के लिए कोई प्रभावी सुविधाएं नहीं हैं. यदि मुझे सुविधाएं मुहैया कराई जाएं तो मैं क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर सकता हूं" अजहर का कहना है कि अगर युवाओं को समय पर सुविधाएं मुहैया कराई जाएं तो निश्चित तौर पर वह विकास में बेहतर भूमिका निभा सकता है. इससे समाज और देश का विकास होगा. उनका मानना है कि आवश्यक और मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण ही युवा पीढ़ी भटक रही है.

इस संबंध में 22 वर्षीय युवा मुहम्मद वकार सलाह देते हैं कि 'स्कूल स्तर पर खेल गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि युवा नशे की बजाय अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें और स्वरोजगार के अवसर स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकें. 27 वर्षीय एजाज हुसैन का कहना है कि बच्चों के हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें अवसर प्रदान करने चाहिए ताकि युवा पीढ़ी बेरोजगारी का रोना न रोयें बल्कि अपने और अपने देश के हित के लिए आगे आएं. राशिद नाम के एक युवक का कहना है कि आज बच्चों के क्या शौक हैं और वे क्या करना चाहते हैं? इस संबंध में उनके माता–पिता को विशेष ध्यान देना चाहिए और उसी दिशा में बच्चे को प्रेरित करनी चाहिए. पहले की तुलना में आज रोजगार के बहुत अधिक अवसर उपलब्ध हो गए हैं जिसकी तरफ विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि खेल, इंटरनेट, गायन, नृत्य, कला, पेंटिंग, फोटोग्राफी, कलमकारी जैसे कई क्षेत्र हैं जिनमें कोई भी प्रयास कर सकता है. आज कई युवा लड़के और लड़कियां इसका उदाहरण हैं जिन्होंने इसका लाभ उठाकर जीवन में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं.

इस समय केंद्र से लेकर सभी राज्यों की सरकार की ओर से युवाओं की स्किल से संबंधित विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं. इसके लिए उन्हें धन भी उपलब्ध कराया जा रहा है. इसमें केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) गरीबी उन्मूलन परियोजनाओं में से एक सबसे अच्छी है. जो स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है और ग्रामीण लोगों, विशेषकर गरीब नौजवान युवक–युवतियों की मदद कर रही है. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गरीबों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करना और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है. जम्मू और कश्मीर में, यह कार्यक्रम जम्मू और कश्मीर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (जेकेएसआरएलएम) द्वारा चलाया जा रहा है. इसका उद्देश्य उन्हें लाभकारी आजीविका में शामिल करना और उनकी आय में सुधार सुनिश्चित करना है. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को अपने और अपने परिवार के बारे में सकारात्मक सोचने में सक्षम बनाना और सरकारी योजनाओं का सभी प्रकार से लाभ प्राप्त करने वाला बनाना है.

वर्तमान में, जेकेएसआरएलएम का लक्ष्य जम्मू कश्मीर के 125 ब्लॉकों में 66: ग्रामीण आबादी तक पहुंचना और उन्हें स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करना है ताकि वे गरीबी रेखा से बाहर आ सकें और सम्मानजनक जीवन स्तर जी सकें. भारत सरकार ने गरीबी उन्मूलन के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं ताकि गरीबों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके. ऐसे में युवा पीढ़ी को सरकार द्वारा शुरू की गई सभी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आना चाहिए ताकि वह रोजगार के मांमले में आत्मनिर्भर बन सकें. वे नौकरी मांगने वालों की बजाय नौकरी प्रदाता बने और दूसरों की मदद कर समाज को विकसित बनाने में अपना योगदान दें. इसके लिए संबंधित विभागों को भी अधिक से अधिक जानकारी और मार्गदर्शन के लिए आगे आना चाहिए ताकि योजनाओं का शत–प्रतिशत क्रियान्वयन हो सके और इन योजनाओं के लक्ष्यों को समय पर हासिल किया जा सके.

पड़ोसी पाक में यह कैसा लोकतंत्र

–नीरज कुमार दुबे–

पाकिस्तानी मीडिया की तमाम रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि जनादेश को पलटने और जबरन नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद पर बैठाने का जो खेल चल रहा है उससे अवाम बिल्कुल खुश नहीं है। लोग कह रहे हैं कि जब सेना को ही प्रधानमंत्री का सलेक्शन करना था तो यह इलेक्शन क्यों करवाये गये? अजब देश पाकिस्तान में इस समय गजब हो रहा है। पहले चुनाव टाले जाते रहे और अब चुनाव परिणाम टाले जा रहे हैं। चुनाव परिणामों को अचानक से पलट दिया जा रहा है। अंतिम चुनाव परिणामों की घोषणा में हो रही देरी के लिए कभी संचार सेवाओं में खराबी का बहाना बनाया जा रहा है तो कभी किसी और तकनीकी कारण का हवाला दिया जा रहा है। खास बात यह है कि सारी कारगुजारियों पर पर्दा डालने के लिए कभी पाकिस्तान के राष्ट्रपति से बयान दिलवा कर लोगों को भरमाने का प्रयास किया जा रहा है तो कभी खुद सेनाध्यक्ष बयान जारी कर देश में चल रही चुनावी धांधली से लोगों का ध्यान बंटाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन पब्लिक सब जानती है इसलिए वह सेना और नेताओं के बयानों से आश्वस्त होकर घर बैठने की बजाय सड़कों पर उतर कर हंगामा कर रही है।

पाकिस्तानी मीडिया की तमाम रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि जनादेश को पलटने और जबरन नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद पर बैठाने का जो खेल चल रहा है उससे अवाम बिल्कुल खुश नहीं है। लोग कह रहे हैं कि जब सेना को ही प्रधानमंत्री का सलेक्शन करना था तो यह इलेक्शन क्यों करवाये गये? लोग सवाल कर रहे हैं कि जब जनादेश का कोई मतलब ही नहीं है तो पहले ही आर्थिक दुश्वारियां झेल रहे देश पर चुनावी खर्च के रूप में और आर्थिक बोझ क्यों बढ़ाया गया? पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्टें तो यहां तक कह रही हैं कि सेना में भी कुछ लोग अब इमरान खान को ही दोबारा कमान सौंपने के पक्ष में हैं। इस तरह की भी रिपोर्टें सामने आ रही हैं कि विदेशों में भी जहां–जहां पाकिस्तानी रहते हैं वह वहां पर इमरान खान के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं। पाकिस्तान में भी कोने–कोने में बच्चों से लेकर बूढ़े तक इमरान खान के पक्ष में नारेबाजी करते देखे जा सकते हैं।

पाकिस्तान में इस वक्त जो सूरत ए हालात हैं वह दर्शा रहे हैं कि यदि सेना ने पब्लिक की ओर अनदेशी की तो देश को गृह युद्ध की ओर बढ़ने से रोकना मुश्किल हो जायेगा। पाकिस्तानी सेना को समझना होगा कि इस बार जनता ने किसी पार्टी के समर्थन में या किसी के विरोध में मत देने की बजाय सेना के विरोध में वोट डाला है इसलिए टीवी स्क्रीनों पर मतगणना के रुझानों और परिणामों को देख कर लोग नाराज हो रहे हैं और चुनाव अधिकारियों के खिलाफ भी जनता सड़कों पर नजर आ रही है। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं कि हमने सुना था कि 1970 में जनादेश का चीरहरण हुआ था लेकिन अब देख भी लिया कि कैसे जनादेश को पलटा जाता है। जनता कह रही है कि सरकार चुनने का अधिकार उसका है और उसकी पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए, उसके फैसले को पलटा नहीं जाना चाहिए। इस बीच, पाकिस्तान में चुनाव के नाम पर हुई धोखेबाजी अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में भी आ चुकी है। वहां के हालात को देखते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ समेत तमाम देशों ने मांग की है कि चुनाव में अनियमितताओं और धोखाधड़ी के मामलों की जांच की जाये।

इस बीच, सभी प्रमुख पार्टियां अपनी अपनी जीत का दावा भी कर रही हैं। लेकिन एक चीज स्पष्ट हो चुकी है कि नवाज शरीफ को निर्बाध रूप से प्रधानमंत्री पद पर बैठाने की पाकिस्तानी सेना की कोशिशों को तगड़ा झटका लगा है क्योंकि पाकिस्तान में नेशनल असेंबली में किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता दिखाई दे रहा है और देश त्रिशंकु असेंबली की ओर बढ़ रहा है। जाहिर है पाकिस्तान में अब जो भी सरकार बनेगी वह गठबंधन की बनेगी। गठबंधन के लिए नवाज शरीफ ने बिलावल भुट्टो और उनके पिता आसिफ अली जरदारी से संपर्क साधा है। दूसरी ओर इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने खुद को सबसे ज्यादा सीटें मिलने का दावा करते हुए कहा है कि वह किसी को समर्थन नहीं देगी बल्कि जो भी सरकार बनेगी उसका नेतृत्व वही करेगी। इमरान खान की पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं का आह्वान भी किया है कि जहां–जहां नतीजे घोषित नहीं किये जा रहे वहां के मतगणना केंद्रों के बाहर वह प्रदर्शन करें।

जनता से मिले समर्थन से गद्गद् इमरान खान ने जेल में बंद होने के बावजूद नवाज शरीफ पर निशाना साध दिया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एआई (कृत्रिम मेधा) की मदद से एक वीडियो संदेश भेजकर आम चुनाव में जीत का दावा किया है और अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी नवाज शरीफ को "मूर्ख" व्यक्ति करार दिया है। इमरान खान का संदेश उनकी पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ' (पीटीआई) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। इमरान खान ने वीडियो संदेश में अपने समर्थकों को चुनाव के नतीजों को लेकर बधाई भी दी है।

दूसरी ओर, पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के प्रमुख नवाज शरीफ ने घोषणा की है कि वह गठबंधन सरकार बनाने के लिए विचार–विमर्श शुरू कर रहे हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के लाहौर स्थित केंद्रीय सचिवालय में पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए नवाज शरीफ ने कहा है कि उनकी पार्टी जनादेश का सम्मान करती है। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करने के अपने रुख में बदलाव करते हुए नवाज शरीफ ने अब कहा है कि पाकिस्तान को मुश्किलों से बाहर निकालने के लिए सभी राजनीतिक दलों को एक साथ बैठने और सरकार बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, "हम बार–बार चुनाव नहीं करा सकते।'

पाकिस्तान में रिपोर्ट हैं कि इस्लामाबाद में गठबंधन सरकार बनाने के लिए नवाज और जरदारी के प्रतिनिधियों ने वार्ता शुरू भी कर दी है और यह वार्ता सफल रहे और जल्द ही सरकार बन सके यह सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी भी दबाव बनाये हुए हैं। देखना होगा कि पाकिस्तान में कब तक नई सरकार गठित होती है और उसका स्वरूप क्या होता है? फिलहाल तो यही कहा जा सकता है कि दुनिया भर में आतंक की फैक्ट्री के रूप में विख्यात पाकिस्तान ने अपने देश के दिखावटी लोकतंत्र को भी बम धमाके से उड़ा दिया है। खैर... इन सब हालातों के बीच पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार को यह समझ नहीं आ रहा है कि वह करे तो क्या करे। उसके समक्ष एक मुश्किल यह भी है कि अधिकांश जगहों पर मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद होने से जनता के गुस्से का शिकार उसे ही बनना पड़ रहा है।

खुले में शौच की विवशता

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

भारत में स्वच्छता कार्यक्रमों की सफलता में व्यवहार परिवर्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जबकि शौचालयों का निर्माण आवश्यक बुनियादी ढाँचा है, उनके निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों को संबोधित करने की आवश्यकता है जो स्वच्छता के प्रति लोगों के दृष्टिकोण और प्रथाओं को प्रभावित करते हैं। केवल शौचालय बना देने से उनके उपयोग की गारंटी नहीं हो जाती। खुले में शौच से जुड़ी गहरी जड़ें जमा चुकी आदतें, सुविधा और सामाजिक–सांस्कृतिक मानदंड बाधाओं के रूप में कार्य करते हैं। यहां तक कि शौचालयों, उचित हाथ धोने और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के लिए भी इष्टतम स्वास्थ्य लाभ के लिए व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता होती है। सतत स्वच्छता के लिए सामुदायिक स्वामित्व और कार्यक्रम के डिजाइन और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है।

भारत दुनिया का चौथा देश (रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ के बाद) और अंतरिक्ष में मंगल जांच शुरू करने वाला एकमात्र उभरता हुआ देश बन गया। लेकिन यह 50: से कम स्वच्छता कवरेज वाले 45 विकासशील देशों के समूह का हिस्सा बना हुआ है , जहां कई नागरिक या तो शौचालय तक पहुंच की कमी के कारण या व्यक्तिगत पसंद के कारण खुले में शौच करते हैं। भारत के लिए, किसी न किसी रूप में शौचालय तक पहुंच प्रदान करना आसान हिस्सा है। सबसे कठिन है लोगों को उनका उपयोग करवाना । ग्रामीण क्षेत्रों में, शौचालय–अस्वीकृति लिंग के आधार पर भिन्न होती है। देश भर में पुरुषों के साथ 300 फोकस समूहों पर आधारित एक चल रहे अध्ययन से पता चला है कि वे शौचालय के बजाय खुले में शौच करना पसंद करते हैं क्योंकि इससे पानी की बचत होती हैय ताजे पानी और हवादार वातावरण तक पहुंच प्रदान करता है। शौचालय की टूट–फूट को कम करता हैय महिलाओं को पुरुषों की नजरों में शर्मिंदा होने से बचाता हैय और जिद्दी पत्नियों और माताओं से बचने का एक आसान बहाना पेश करता है। सार्वजनिक एजेंसियों परिवारों को उनकी युवा लड़कियों की सुरक्षा के लिए शौचालयों में निवेश करने के लिए मनाने की कोशिश करती हैं । लेकिन गांवों में, महिला शिक्षकों और लड़कियों के साथ फोकस समूह–आधारित अध्ययन से पता चला कि खुले में शौच का एक केंद्रीय लाभ यह है कि यह महिलाओं के लिए समान लिंग वाले सामाजिक संपर्क के अवसर प्रदान करता है। कई क्षेत्रों में लड़कियों और महिलाओं को मुद्दों पर बहस करने, विचारों का आदान–प्रदान करने या बस एक साथ आराम करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर इकट्ठा होने की अनुमति नहीं है। किशोरों को और भी अधिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है क्योंकि वृद्ध महिलाएं अक्सर युवाओं के बीच स्वतंत्र चर्चा की अनुमति देती हैं। इस संबंध में, खुले में शौच करना अन्य बाधाओं से मुक्त होकर बात करने और एक साथ समय बिताने का बहाना प्रदान करता है। इस प्रकार, ऐसे गांवों में खुले में शौच को खत्म करने के लिए सबसे पहले सामाजिक संपर्क के लिए वैकल्पिक सुरक्षित लिंग आधारित स्थानों की आवश्यकता है।

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार का एक अत्यंत आवश्यक और प्रमुख कार्यक्रम है। परंतु इसका संबंध केवल शौचालय निर्मित करने भर से नहीं है। बल्कि इसके तहत ऐसे शौचालय विकसित होने चाहिए जिनका लोग वास्तव में प्रयोग कर सकें। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इसका संबंध गंदगी के निस्तारण और उपचार की व्यवस्था से भी है। यह बात एकदम स्पष्ट है लेकिन इसे कैसे अंजाम दिया जाए, यह अब भी लाख टके का प्रश्न है। सरकार अपने स्वच्छता कार्यक्रमों की बेहतर सफलता के लिए सुनिश्चित करें कि शौचालय सभी के लिए सुलभ हों, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए, और सब्सिडी या सूक्ष्म–वित्तपोषण योजनाओं के माध्यम से सामर्थ्य पर विचार करें।

पुलिस मुठभेड़ में एक घायल सहित दो पशु तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–कुशीनगर। रविवार की तीन बजे भोर में हाटा, कसया हाइवे पर पगरा गांव के सामने पुलिस और पशु तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में एक घायल सहित दो तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ये पशु तस्कर गोरखपुर की ओर से पशुओं का खेप लेकर बिहार जा रहे थे। पशु तस्करों पर खलीलाबाद , पिपराइच तमकुही राज तथा हाटा में आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। तथा इनके कब्जे से दो तमंचा, पांच जिंदा कारतूस,एक पिकअप तथा छः राशि गोवंश भी पुलिस ने बरामद की है।

बीती रात कोतवाल राजप्रकाश सिंह अपने हमराहियों के साथ गस्त पर थे कि रात्रि तीन बजे मुखबिर ने सूचना दी कि कुछ पशु तस्कर सफेद पिकप पर पशुओं को लाद कर हाटा होकर बिहार जा रहे हैं।कोतवाल ने अन्य पुलिस कर्मियों के साथ हाटा कसया के बीच हाइवे पर पगरा गांव के सामने गाड़ाबंदी कर आने का इंतजार करने लगे। लगभग तीन बजे भोर में एक सफेद रंग की पिकप आते दिखाई दी। पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया लेकिन पिकप नहीं रुकी। उल्टे उधर से फायरिंग शुरू हो गई। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने भी फायरिंग शुरू कर दिया। पुलिस की फायरिंग में एक पशु तस्कर के पैर में गोली लगी जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा और दुसरे को दौड़ा कर पकड़ लिया।। पुलिस घायल को गिरफ्तार कर सीएचसी पर ले गयी जहां से सदर अस्पताल पडरौना रेफर कर दिया गया। पकड़े गये पशु तस्करों में घायल अब्दुल अजीज पुत्र नसरुद्दीन निवासी कुचिया मठिया पोखरभिंडा थाना पटहेरवा तथा मोहम्मद वसीम पुत्र वकील निवासी धुलिया थाना माजागढ जनपद गोपालगंज बिहार के रूप में हुई। घायल अब्दुल अजीज के ऊपर तमकुही राज, हाटा के अलावा पिपराइच गोरखपुर व खलीलाबाद थानों में आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

140 चिकित्सकों ने जांची 10 हजार लोगों की सेहत

संवाददाता–श्रावस्ती। गुरु गोरक्षनाथ सेवा यात्रा का समापन रविवार को भिनगा स्थित जूनियर हाईस्कूल परिसर में मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में आरएसएस के अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल व मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता विमल श्रीवास्तव मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश के प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थानों के चिकित्सकों ने लोगों की सेहत जांच कर उन्हें दवाएं वितरित की। आरएसएस के प्रांत प्रचारक ने शिविर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन आरएसएस की मूल भावना मानव सेवा के तहत हुआ है। शिविर से काफी लोगों को लाभ मिला। नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन के तत्वाधान में गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के तहत आयोजित शिविर में पीजीआई, मेडिकल कालेज लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सा स्थानों के कुल 140 चिकित्सकों व चिकित्सा छात्रों की ओर से लगभग 10 हजार लोगों की सेहत की जांच कर दवाएं वितरित की गई। शिविर में त्वचा रोग, हृदय रोग, कैंसर रोग, नाक–कान–गला रोग समेत अन्य बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर स्थल पर आकर्षक रंगोली बनाई गई थी जो लोगों के आकर्षण का केन्द्र रही। शिविर में सीएमओ डा. एपी सिंह, डा. विभा सिंह, डा. संजय भट्ट, संयोगिता सिंह चौहान, कुलदीप राजू, डा. पूरन चंद, जिला प्रचारक शिव शंकर, जिला कार्यवाह दिवाकर, नगर प्रचारक भानु प्रकाश, मनोज पांडेय, ज्ञान सागर सिंह, मुंशीराम तिवारी आदि मौजूद रहे।

दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के द्वारा भगवान धर्मनाथ मंदिर में हुआ विशेष पूजा–अभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। जैनधर्म के 15वें तीर्थंकर भगवान श्री धर्मनाथ स्वामी की जन्मभूमि होने का सौभाग्य रौनाही को प्राप्त है। यहाँ जन्मस्थान के रूप में 'रत्नपुरी' नाम से भव्य दिगम्बर जैन तीर्थ सदियों से चला आ रहा है। भगवान धर्मनाथ के जन्मस्थान का समाज में अतिशयकारी महत्व है, जिसकी वंदना के लिए भक्तजन दूर–दराज से रत्नपुरी तीर्थ पधारते हैं। यह तीर्थ श्री दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के अन्तर्गत सतत् संचालित होता जिसका प्रधान कार्यालय भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, रायगंज, अयोध्या में स्थित है। इस कमेटी के महामंत्री अमरचंद जैन के अनुसार विदित हुआ है कि यह कमेटी सन् 1956 से रजिस्टर्ड है, जिसके द्वारा शुरू से ही अयोध्या में स्थित दिगम्बर जैन मंदिरों एवं रत्नपुरी तीर्थ का संचालन, देखरेख आदि संरक्षण कार्य किया जाता है। उन्होंने यह भी सूचित किया कि सन् 2022 में किन्हीं तथाकथित व्यक्तियों द्वारा तीर्थ के मूल प्राचीन स्वरूप एवं इस मंदिर जी में चली आ रही प्राचीन पूजा–पद्धति व परम्परा को बदलने की नियत से कुछ अनर्गल लोगों को मिलाकर इस तीर्थ पर फर्जी समिति का निर्माण कर लिया गया था। जब इसकी सूचना श्री दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी को प्राप्त हुई, तब डिप्टी रजिस्ट्रार–चिट्स एवं फर्म अयोध्या के यहाँ फर्जी कमेटी को निरस्त करने का आवेदन किया गया।

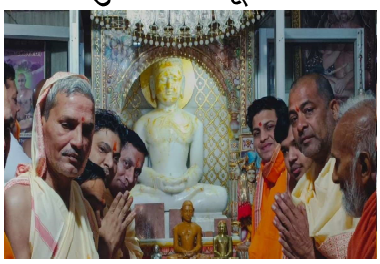

आगे कार्यवाही होते हुए उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की लखनऊ बेंच के आदेशानुसार डिप्टी रजिस्ट्रार ने दोनों पक्षों की समस्त सुनवाई करके लिखित बहस के साथ श्री दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के पक्ष में दिनाँक 27 जनवरी 2024को अपना निर्णय प्रस्तुत किया। निर्णय के उपरांत पुनः अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के आवेदन पर एस. डी.एम.सोहावल, पुलिस अधिकारी–सी.ओ. व सब इंस्पेक्टर–रौनाही आदि की उपस्थिति में दोनों पक्षों की एक मीटिंग बुलाकर 9 फरवरी को विपक्षी कमेटी से राजी–खुशी के साथ रत्नपुरी तीर्थ पर मंदिर आदि की चाबियाँ मूलपक्षकमेटी–श्री दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों को दिलवा दी। 9 फरवरी के उपरांत अब यहाँ पर दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के द्वारा भगवान धर्मनाथ मंदिर में भगवान का विशेष पूजा–अभिषेक प्रारंभ हो गया है। प्रतिदिन की भांति ही आज टिकैतनगर, लखनऊ से पधारे शताधिक महानुभावों ने भगवान श्री धर्मनाथ का जल, दूध, केशर, सर्वौषधि, पुष्पवृष्टि आदि से भव्य पंचामृत महाभिषेक सम्पन्न किया। इस अवसर पर क्षुल्लक श्री प्रशांतसागर जी महाराज ने जैन संत के रूप में अपना सान्निध्य प्रदान किया।कार्यक्रम में विशेषरूप से श्री जयकुमार जैन, निधेश जैन, निकलंक जैन, आनंद जैन, परमेन्द्र जैन, राजेश जैन राजू, विशाल जैन, सुयश जैन आदि उपस्थित रहे। यहाँ प्रतिदिन महिला, पुरुषों द्वारा भगवान का पंचामृत–अभिषेक आदि आयोजन प्रातः 7 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 22 फरवरी को भगवान श्री धर्मनाथ जी की जन्मजयंती का आयोजन भी विशेष उत्साह के साथ रथयात्रा, पूजा– विधान आदि वार्षिक आयोजनपूर्वक सम्पन्न होगा, जिसमें कमेटी ने समस्त दिगम्बर जैन समाज को सादर आमंत्रित किया है।

56 बोरी धान बरामद, कैरियर गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। सीमावर्ती क्षेत्र में सस्ती बढ़ गई है। तस्करी में लिप्त कैरियर तो सुरक्षा कर्मियों के हाथ लग जा रहे हैं, लेकिन सरगना पकड़ से दूर हैं। नेपाल में बैठकर वे धंधे को आगे बढ़ा रहे हैं। कैरियर का काम करने वाले ज्यादातर बेरोजगार हैं। चंद रुपये की खातिर कैरियर जरूरी सामाग्री सरहद पार कर रहे हैं। रविवार को बरगदवा क्षेत्र से 56 बोरी धान पुलिस ने बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। रविवार की सुबह बरगदवा गांव से सटे हर्दी टोला के पास सागौन के बागीचे में नेपाल भेजने के लिए रखा धान पुलिस ने बरामद कर लिया। साथ ही जयश्री थाना निचलौल निवासी अमीन को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार, सीमावर्ती गांव लक्ष्मीनगर, ठूठीबारी, निचलौल, परसा मलिक, बरगदवा, भगवानपुर, श्याम काट, सोनौली दो नंबर गली, एसएसबी रोड, फरेनिया, हरदी डाली, खनुवा क्षेत्र में तस्कर ग्राम गोदाम में एकत्रकर मौका मिलने पर आसानी से पगडंडियों के रास्ते नेपाल पहुंचा देते हैं। इन दिनों पगडंडियों से जाने वालों की संख्या भी काफी बढ़ गई है। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र में 56 बोरी धान बरामद करने के साथ एक आरोपी को पकड़ कर कस्टम एक्ट में चालान कर दिया गया। सशस्त्र सीमा बल 66वीं वाहिनी के बीओपी हरदीडाली परिसर में नेपाल एपीएफ, नेपाल पुलिस और सोनौली पुलिस के साथ सशस्त्र सीमा बल के असिस्टेंट कमांडेंट राजीव तिवारी ने पगडंडियों पर पैदल गस्त किया।

असिस्टेंट कमांडेंट राजीव तिवारी ने बताया कि बीओपी हरदीडाली परिसर में नेपाल एपीएफ मझगांवा के इंस्पेक्टर गीता झावली, नेपाल पुलिस के इंस्पेक्टर हेमनाथ धीमरे और सोनौली पुलिस के कांस्टेबल मनीष कुमार राय के साथ सीमा पर गस्त किया। पगडंडियों से आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने को लेकर समन्वय बैठक की गई।

ग्राम सचिवालय का ताला तोड़ कंप्यूटर-इनवर्टर उठा ले गए चोर

संवाददाता–कुशीनगर। शनिवार की देर रात चोर ग्राम सचिवालय का ताला तोड़ उसमें रखे कंप्यूटर, प्रिंटर समेत लाखों रुपये का सामान उड़ा ले गए। सुबह ताला टूटा देख आस–पास के लोगों ने ग्राम प्रधान को चोरी की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल में जुट गई। पुलिस को शक है कि किसी नजदीकी ने घटना को अंजाम दिया है। बघौचघाट थाना क्षेत्र के मुरारछापर के ग्राम सचिवालय में सरकारी काम–काज के लिए कंप्यूटर, सीपीयू(सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट), इनवर्टर व बैटरी लगाया गया था। शनिवार की शाम पंचायतकर्मी काम–काज निपटाने के बाद ऑफिस का ताला बंद कर घर चले गए। देर रात चोरों ने पंचायत भवन का ताला तोड़ दिया। चोर कमरे में पहुंचे और कंप्यूटर, इनवर्टर व बैटरी समेत सारा सामान साफ कर दिए। सुबह ग्राम सचिवालय का

ताला टूटा ग्रामीण सन्न रह गए। उन्होंने ग्राम प्रधान मीना देवी को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर थोड़ी देर में बघौचघाट थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद स्थानीय लोगों से पूछताछ की। ग्राम प्रधान ने पुलिस को तहरीर देकर घटना का जल्द से जल्द पर्दाफाश करने का अनुरोध किया है। चोरी गए सामानों की कीमत लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। ग्राम सचिवालय में सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था। यह चोरों के लिए कवच बन गया। अगर यहां पर सीसीटीवी कैमरा लगा रहता तो इससे चोरी का पता लगाने और उसमें शामिल लोगों के शिनाख्त करने में मदद मिलती। अंगद कुमार, प्रभारी थानाध्यक्ष ने कहा कि ग्राम सचिवालय का ताला तोड़ सामान गायब कर दिया गया है। पुलिस हर एंगल से इसकी जांच कर रही है। चोरी का जल्द ही पर्दाफाश हो जाएगा।

सेनानियों के जीवन से मिलती है सीख –अन्नू सिंह

संवाददाता–गोण्डा। देश की आजादी में एक दर्जन सेनानियों के गांव खजुरी में सेनानी स्तंभ का उद्घाटन मुख्य अतिथि व नायब तहसीलदार अन्नू सिंह,किया गया। इस मौके पर सेनानियों को नायब तहसीलदार, दिलीप सिंह, सेनानी वंशज अरविंद सिंह ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। नायब तहसीलदार ने कहा कि सभी लोगों अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन करें, यही सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने होंठो में गंगा हो, हाथों में तिरंगा हो गीत गाकर लोगों को प्रेरित किया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद बाबू द्वारिका सिंह, बाबू बब्बन सिंह, उमराव सिंह, महादेव सिंह, शेर बहादुर सिंह, संतबक्स सिंह, नरसिंह बहादुर सिंह, बृजमोहन सिंह, सरदवन सिंह, मथुरा सिंह, राम नारायन सिंह के नाम स्तंभ में अंकित किये गये हैं। सेनानी वंशज दिलीप सिंह, बलवीर सिंह,अमरजीत सिंह, कपिल देव सिंह,राज प्रताप सिंह, प्रेमनाथ सिंह, सुरेश सिंह, अजय कुमार सिंह, दिलीप सिंह, अंग्रेज बहादुर सिंह को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार अन्नू सिंह को महात्मा बनादास की प्रतिमा भेंट की गई। इस मौके पर संचालक मनोज सिंह, संदीप सिंह, गुड्डू पाण्डेय, कपिलदेव, अमर दीप सिंह , आनंद प्रताप नारायण सिंह, अंकित सिंह, बृजभान गुप्ता, दिवाकर मिश्रा, घनश्याम सिंह, कृष्णा वर्मा, पिंटू सिंह,अशोक मिश्र रहे।

100 सीटों पर लोकसभा प्रत्याशी उतारेगी स्वाभिमान पार्टी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक गहोई धर्मशाला लक्ष्मण घाट अयोध्या में दो दिवसीय बैठक 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 11 फरवरी को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला जस्सल ने की। बैठक में नौ राज्यों के प्रतिनिधि और सभी प्रमुख राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित हुए। बैठक संचालन अधिवक्ता सतीश कुमार त्रिपाठी ने किया और बताया कि राष्ट्रीय बैठक में कई प्रस्ताव पारित हुए और साथ ही साथ पदाधिकारियों की घोषणा की गई। उत्तर प्रदेश में संगठन के विस्तार हेतु नए पदाधिकारियों को पद ग्रहण कराया गया। पार्टी के संरक्षक स्वामी राम मोहन दास ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि लोकसभा की लगभग सौ लोकसभा सीटों पर पार्टी के प्रत्याशी उतारे जाए। राम मंदिर के निर्माण पर हम सभी खुश अवश्य हैं लेकिन जिस प्रकार से राजनीतिक माहौल बनाकर समाज को दो खंड–खंड में कर दिया गया है, हम इसके विरोधी हैं। अब देश में भाजपाई हिंदू और कांग्रेसी हिंदू, सपाई, बसपाई हिंदू हो गए हैं। यह बड़ी विकट स्थिति बनी है। इस संबंध में मार्च में एक बैठक पुनः अयोध्या में की जाएगी। पार्टी का राष्ट्रीय कार्यालय भी लक्ष्मण घाट, अयोध्या में स्थापित किया गया है। जल्द ही एक बड़ा जन आंदोलन भी अयोध्या से आरंभ किया जायेगा जिसकी रणनीति तैयार हो रही है।अंतिम दिवस पर अयोध्या निवासी श्री संतोष दुबे को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उनका सम्मान पार्टी के समस्त पदाधिकारियों द्वारा किया गया। बैठक में अन्य प्रमुख पदाधिकारियों में श्री रविंद्र बेहरा, कौशलेंद्र नारायण, के एल शर्मा, छत्तीसगढ़ के पूर्व विधायक श्री नरेंद्र शर्मा, सतीश तिवारी, हरि महतो, स्वामी हरि नारायण, राजीव कुमार सिंह, आदि सभी कार्यसमिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जमीनी विवाद में युवक पर झोंका फायर, गंभीर घायल, ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया

संवाददाता–बहराइच। जिले के मूर्तिहा कोतवाली क्षेत्र में शनिवार की रात जमीनी विवाद में दबंगों ने युवक पर फायर झोंक दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने पहले उसे मेडिकल कालेज बहराइच और फिर मेडिकल कालेज से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं, एसपी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोतवाली मूर्तिहा के ग्राम पंचायत मझरा निवासी अनीस (36) का नौबना निवासी मनीराम यादव के साथ जमीनी विवाद है। जिसको लेकर शनिवार की रात बाजार जाते समय अनीस पर मनीराम ने अपने जीजा के साथ मिल कर फायर झोंक दिया। गोली अनीस के दाहिने सीने के पास लगी और वो जमीन पर गिर गया। गंभीर रूप से घायल अनीस को इलाज के लिए परिजनों ने सीएचसी मिहिपुरवा पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने कर चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज में स्थित में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनउ रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फायरिंग की सूचना पर एसपी वृंदा शुक्ला ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोतवाल से जानकारी ली और हमलावरों पर सख्त कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। कोतवाल अमितेंद्र सिंह ने बताया की मनीराम और बाबूराम पर आईपीसी की धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की दो टीमें गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

गैरइरादतन हत्या का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्ड। पुलिस ने रविवार को गैरइरादतन हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे पुलिस ने न्यायालय के रवाना किया है। थानाध्यक्ष कौड़िया अंकुर वर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बनगाई के मजरा चकईपुरवा में करीब दो माह पहले दरवाजे व खेत में मवेशी चले जाने के चलते दो पक्षों में मारपीट हुई थी। जिसमें एक युवक को गंभीर चोट आई थी। युवक को परिजन जिला चिकित्सालय ले गए जहां पर उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। इसके बाद राम जागे पुत्र धनलाल पासवान के शिकायती पत्र पर वांछित आरोपी मुरलीधर के विरुद्ध गैर इरादन हत्या सहित विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। जिसे चौकी प्रभारी आर्यनगर प्रशांत कुमार गुप्ता, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार पांडेय ,आदित्य यादव , लव कुश ने आर्यनगर के सरयू नहर पुल से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

बिजली विभाग का नया कारनामा, सरकारी स्कूल में कनेक्शन होने से पहले पहुंच गया 14022 का बिल

संवाददाता–गोण्ड। यूपी पावर कॉरपोरेशन ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति में भले ही सुधार ना कर पा रहा हो। विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय से समाधान ना हो सके। लेकिन जब बिजली बिल भेजने की बात आती है। तो विभाग आंख मूंद कर काम करता है। एक सरकारी स्कूल में बिजली कनेक्शन तो आज तक नहीं हुआ। लेकिन विभाग ने 14022 रुपए की बिल भेज दिया। उसके बाद यह बात चर्चा का विषय बनी हुई है। इटियाथोक शिक्षा क्षेत्र के उजार पुरवा प्राथमिक स्कूल का प्रबंधन बिजली बिल पाकर हैरान रह गया है।इस स्कूल में बिजली का कनेक्शन तक नहीं है। लेकिन बिल भेज दिया गया है। आरोप है, प्राथमिक स्कूल में बिजली कनेक्शन के लिए विभाग में दो वर्ष पूर्व आवेदन किया था। बिजली विभाग ने परिषदीय स्कूल पर आवेदन के लगभग दो साल बीतने के बाद भी कनेक्शन देने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। लेकिन महकमें के रजिस्टर में गांव उजारपुरवा के स्कूल में लाइन चालू कर दी गई।

भारतीय ग्रामिक कामगार संघ असंगठित मजदूरों के क्षेत्र में कार्यकर्ता है

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भारतीय में ग्रामिक कामगार कर्मचारी महासंघ भारतीय जनता पार्टी–प्रणित कार्य योजना बैठक का आयोजन चार धाम मन्दिर, मणिराम दास छावनी अयोध्या धाम के प्रांगण में बैठक संपन्न हुई बैठक का संचालन कर रहे संगठन के महासचिव सर्वेश पाठक ने बताया की हमारा असंगठित क्षेत्रो में मजदूरों और कामगारों के बीच में काम करते हुए सरकार के साथ संकलन करते बनाकर, सरकारी योजनाओं का धरातल पर लाभ पहुंचाने का कार्य करते है, इसी क्रम में कार्यक्रम मुख्य अतिथि निहान समाज के प्रमुख बाबा हरजीत सिंह ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं जहां हमारी पूर्वजों ने प्रभु श्री राम लला का मन्दिर आजाद कराने के लिए बलिदान दिया , आज भूमि को अयोध्या धाम में मुझे श्रमिकों के प्रमुख नेताओं का मुख्य अतिथि के रूप में मुझे इसके लिए संगठन द्वारा जो भी कार्य मिलेगा उसको लिए मैं हमेशा प्रयत्न रहूँगा। संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारणी अध्यक्ष राजू शेट्टी ने अपने अभिवादन में कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरी है, मुझे गर्व है, कि मैं भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हूं, जो कि सम्पूर्ण भारत हमारे संगठन के जो भी पदाधिकारी पूरी तन्मयता के साथ श्रमिक की सहायता करते है। इसी क्रम में संगठन की बैठक का समापन की घोषणा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष योगेन्द्र गंगवार ने सभी पदाकारियों का सम्मान करते हुए लोकसभा के चुनाव को लेकर इस बैठक में योजना बैठक के रूप में बैठक आहुति की गई है, गंगवार ने बताया की उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से सम्मानित पदाधिकारी बैठक में उपस्थित हुए।

एक मवेशी को तेंदुए ने बनाया निवाला, दूसरे को किया घायल

संवाददाता–बलरामपुर। ग्राम रमनगरा में लगातार तेंदुआ दिखाई पड़ने से दहशत का माहौल है। शनिवार रात तेंदुए ने एक मवेशी को निवाला बनाया है जबकि दूसरे को घायल कर दिया। खेत में गन्ना काट रहे किसानों के दौड़ाने पर तेंदुआ भाग निकला जिससे मवेशी की जान बच गई। दर्जन भर गांवों में तेंदुए का खौफ है। रविवार को रमनगरा गांव के लोगों ने प्रदर्शन कर तेंदुआ पकड़ने के लिए पिंजरा लगवाने की मांग डीएफओ से की है। रमनगरा गांव से सोहेलवा जंगल की दूरी 40 किलोमीटर है। तेंदुआ गन्ना के सहारे छुपते–छुपाते महराजगंज तराई थाना क्षेत्र में पहुंच गया है। महराजगंज तराई महादेव गोसाईं मार्ग स्थित खरझार नाला तट पर बने शिव मंदिर के निकट तेंदुआ अक्सर दिख जाता है। आलमशेर, कामेश्वर ओझा, राजित राम, बाबूलाल, जवाहर वर्मा, राज कुमार, अंजनी कुमार मिश्रा व मुन्ना जायसवाल ने कई बार तेंदुए को देखा है। गत माह तेंदुए ने महादेव गोसाईं गांव में एक बकरे को निवाला बनाया था। एक पखवारा पूर्व बल्दीडीह गांव के निकट नीलगाय को तेंदुए ने मार दिया था। ग्रामीणों के दौड़ने पर तेंदुआ भाग निकला था। रमनगरा निवासी जवाहर वर्मा व बाबूलाल ने बताया कि तेंदुआ पिछले एक सप्ताह से गांव के आस पास देखा जा रहा है। एक दिन तो वह शाम सात बजे गांव के अन्दर घुस आया था। ग्रामीणों के दौड़ाने पर वह भाग निकला। शनिवार रात एक निराश्रित मवेशी को तेंदुए ने मार डाला है। मवेशी के चिल्लाने पर ग्रामीण दौड़ पड़े। तेंदुआ मवेशी का खून पीकर भाग निकला। उसकी भूख शांत नहीं हुई थी। सुबह कुछ लोग शौच करने गए तो देखा कि खरझार नाला किनारे बछड़े के शरीर का अधिकांश हिस्सा तेंदुए ने खा लिया था। उसका अवशेष नाला किनारे पड़ा मिला। दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन तेंदुआ कहीं नहीं दिखा। रमनगरा निवासी राजित राम ने बताया कि छोटे बच्चों को घर से बाहर निकलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। खेतों में लोग झुंड बनाकर गन्ना काटने जा रहे हैं। लोग धारदार औजार व लाठी डंडा साथ लेकर निकलते हैं। शाम ढलने के पहले ही लोग घर वापस आ जाते हैं। रविवार को ग्रामीणों ने गांव में ही प्रदर्शन किया। कहा कि वन विभाग किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है। तेंदुए पिछले तीन माह से इलाके में सक्रिय है। फिर भी उसे पकड़ने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। छोटे बच्चों पर खतरा बढ़ता जा रहा है। बड़े लोग भी अपनी सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। वन विभाग को सूचना दी गई, लेकिन कोई अधिकारी गांव तक झांकने नहीं आया। ग्रामीणों ने गांव के बाहर पिंजरा लगाकर तेंदुआ पकड़ने की मांग की। रमनगरा, बल्दीडीह, खैरहनिया, सेहरिहवा, जोखुपुरवा, मोतीपुर, महादेव गोंसाई, हरिजनपुरवा, बड़ी महदेइया, दांदव सहित दर्जन भर गांव में तेंदुए का खौफ फैला है। अंधेरा होने के बाद लोग शिव मंदिर की ओर जाने से कतराते हैं। लोगों का कहना है कि शिव मंदिर के बगल नाला किनारे बड़ी–बड़ी झाड़ियां उगी हैं। तेंदुए ने उसमें अपना प्राकृत वास बना रखा है। एक माह पूव वन कर्मी मौके पर आए थे। बिना कोई जांच पड़ताल किए वापस चले गए। तेंदुआ अक्सर आबादी वाले क्षेत्रों में दिख रहा है, जिसको लेकर लोग भयभीत हैं। डा. एम सेम्मारन, डीएफओ सोहेलवा बलरामपुर ने कहा कि आबादी वाले क्षेत्र के आस पास तेंदुए का दिखना कोई बड़ी बात नहीं है। यदि तेंदुआ दिखता है तो ग्रामीणों को चाहिए कि वे वन विभाग को सूचना दें, उसके साथ कोई छेड़छाड़ न करें। मौके पर वन कर्मियों को भेजकर जांच कराई जाएगी। जिस स्थान पर लगाातार तेंदुआ दिख रहा है, वहां पिंजरा लगवाया जाएगा।

अयोध्या में संस्कृत भाषा को सरल बनाने के लिए हुआ कार्यशाला का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री निवास बोधायन रामानुज संस्कृत महाविद्यालय उत्तर तोताद्रिमठ, विभीषणकुंड में रविवार को एक दिवसीय राष्ट्रिय कार्यशाला आयोजित हुई। यह एक दिवसीय राष्ट्रिय कार्यशाला सरल मानक संस्कृतम् की थी, जिसका उद्घाटन सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्रपट पर माल्यार्पण और उसके बाद दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रिय कार्यशाला संयोजक व श्रीनिवास बोधायन रामानुज संस्कृत महाविद्यालय उत्तर तोताद्रिमठ के प्राचार्य कुलदीप मिश्र ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में सरल मानक संस्कृतम् की एक दिवसीय राष्ट्रिय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में संस्कृत समभाषण, संस्कृत का उदभव–विकास कैसे हो। साथ ही संस्कृत के माध्यम से समाज का कैसे विकास किया जाए और समाज

को कैसे दिशा प्रदान करें। इस दृष्टि से श्री निवास बोधायन रामानुज संस्कृत महाविद्यालय उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड अयोध्या एवं केंद्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय लखनऊ परिसर के समन्वय से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 2 सौ संस्कृत के छात्र उपस्थित रहे। जिनमें बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश के कई जिलों के छात्रगण मौजूद थे। इसके अलावा उत्तर तोताद्रिमठ में रहने वाले 50 छात्र और केंद्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय लखनऊ के सौ छात्र सम्मिलित हुए। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रोफेसर सर्वनारायण झा, संयोजक डॉ. रूद्रनारायण नरसिंह मिश्र, सह संयोजक डॉ. प्रफुल्ल गडपाल, प्रोफेसर भारत भूषण त्रिपाठी, प्रोफेसर रमाकांत मिश्र, बृजेश कुमार पांडेय, डॉ. बिपिन झा, मनमोहन उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

नौकरी से निकाले गए 45 कर्मचारी वजह जानकर मच गया हड़कंप

संवाददाता—गोरखपुर। एयरपोर्ट स्थित 100 बेड टीबी अस्पताल के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को बायोमेट्रिक हाजिरी के नाम पर अनाप–शनाप वेतन कटौती का विरोध करना भारी पड़ गया। सेवा प्रदाता फर्म ने एक साथ सभी 45 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। यही नहीं, फर्म ने स्वास्थ्य विभाग से अनुबंध भी एकतरफा खत्म कर दिया। सेवा प्रदाता फर्म ने ईमेल कर कर्मचारियों को बर्खास्तगी की सूचना दी। फर्म के इस कदम से हड़कंप मचा हुआ है। हलकान कर्मचारी वरिष्ठ अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं।

रविवार को आउटसोर्सिंग कर्मियों ने ड्यूटी की। हालांकि, उन्होंने हाजिरी नहीं लगाई। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट स्थित 100 बेड टीबी सह सामान्य अस्पताल में आउटसोर्सिंग पर 45 कर्मचारी तैनात हैं। इनमें से ज्यादातर नर्स व वार्ड ब्वॉय हैं। ये कर्मचारी फरवरी वर्ष 2016 से आउटसोर्सिंग पर तैनात हैं। पहले इनकी तैनाती अवनी–परिधि के जरिए हुई थी। जुलाई 2021 से उनकी सेवा प्रदाता फर्म बदलकर दिल्ली की चीटी इंटरप्राइजेज कर दी गई। फर्म के अधिकारियों ने शनिवार की रात कर्मचारियों को ईमेल किया। इसमें उन्हें अनुशासनहीन बताते हुए बर्खास्त कर दिया गया। कर्मचारियों का फोन रिसीव नहीं किया। बाद में स्वीच ऑफ कर दिया।

बताया जा रहा है कि फर्म ने छह महीने पहले से बायोमेट्रिक हाजिरी शुरू कर दी। इसके लिए अस्पताल के अंदर एक बायोमेट्रिक मशीन लगी है। सिर्फ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ही बायोमेट्रिक हाजिरी ली जा रही हैं। खबर है कि जब से बायोमेट्रिक हाजिरी शुरू हुई, कर्मचारियों का मानदेय नहीं मिला था। इसे लेकर कर्मचारी हलकान थे। बीती आठ फरवरी को खाते में चार महीने का मानदेय आया। उसमें भी बायोमेट्रिक हाजिरी के नाम पर मनमानी कटौती हो गई। कर्मचारियों को चार हजार से लेकर 30 हजार रुपये तक कम मानदेय मिला है। फर्म ने इस कटौती की वजह बायोमेट्रिक हाजिरी का रिकॉर्ड माना है। इसी का कर्मचारी विरोध कर रहे थे। उन्होंने मानदेय कटौती की तस्दीक कराने की मांग की। यही विवाद की जड़ भी है टीबी अस्पताल के सीएमएस डॉ. एके वर्मा का कहना है कि किसी कर्मचारी को बाहर नहीं होने दिया जाएगा। अस्पताल में चिकित्सकों के बाद यही कर्मचारी हैं। इन्हीं के भरोसे अस्पताल में मरीज भर्ती हैं। सोमवार को ऑफिस आकर फर्म से संपर्क करूंगा। फर्म का फैसला स्वीकार नहीं है।

एसएसबी के उप निरीक्षक ने की खुदकुशी

संवाददाता—गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय उर्वरक नगर स्थित आवास में 10 फरवरी की रात में किसी समय उप निरीक्षक ने खुदकुशी कर ली। 11 फरवरी को जब फोन नहीं उठा तो परिवारीजनों ने अधिकारियों को बताया, उसके बाद खुदकुशी की जानकारी हुई। चिलुआताल पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ पाई है। जम्मू कश्मीर के राजौरी निवासी अशोक सिंह (51) पुत्र सरदार सिंह सीमा सुरक्षा बल में उप निरीक्षक पद पर गोरखपुर मुख्यालय में कार्यरत थे। गत 10 फरवरी की रात मुख्यालय स्थित अपने आवास डी 62 में पंखे में नायलान की रस्सी का फन्दा बनाकर झूल गए। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। 11 फरवरी की सुबह परिवारीजनों ने फोन किया लेकिन रिसीव नहीं हुआ। इससे परेशान परिवारीजनों ने इसकी सूचना अधिकारियों को दी। जब अधिकारियों ने आवास के जंगले का शीशा तोड़कर अन्दर देखा तो फंदे से लटकता हुआ शव दिखा। चिलुआताल पुलिस ने शव नीचे उतार कर कानूनी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उपनिरीक्षक ने खुदकुशी क्यों की, इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। उधर, मौत की सूचना के बाद परिवारीजन गोरखपुर के लिए चल दिए हैं।

कलावा पहनने से रोकता है शिक्षामित्र प्रिंसिपल पढ़ती है स्कूल में नमाज

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिले के बढ़नी विकास खंड के एक प्राथमिक स्कूल के छात्रों ने एक शिक्षामित्र पर आरोप लगाया है कि वह कलावा बांधने और चंदन लगाने से मना करते हैं। प्रधानाध्यापिका पर ऑफिस में नमाज पढ़ने का भी आरोप लगाया है।दोनों शिक्षकों ने आरोप को बेबुनियाद बताया है। खंड शिक्षा अधिकारी ने मामले की जांच कराने की बात कही। एक प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली एक बच्ची के अभिभावक ने बढ़नी मंडल के भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री दुर्गेश पांडेय से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उनकी बच्ची प्राथमिक पाठशाला में पढ़ती है। प्राथमिक पाठशाला में एक शिक्षामित्र हैं जो बच्चों को कलावा बांधने से रोकते हैं। साथ ही माथे पर चंदन लगाने से मना करते हैं। यहां तक कि धर्म को लेकर भी खराब बातें करते हैं। भाजपा नेता दुर्गेश पांडेय अपने साथियों के साथ स्कूल पहुंच गए। उनके साथ आरोप लगाने वाले अभिभावक भी थे।

प्रिंसिपल स्कूल में पढ़ती है नमाज शिक्षामित्र का कहना था उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा है। कक्षा में मौजूद आरोप लगाने वाली बच्ची को बुलाया गया तो उसने कहा कि सर मना करते हैं। बच्चों ने स्कूल की प्रधानाध्यापिका पर भी आरोप लगाया। भाजपा नेता 112 नंबर डायल कर पुलिस बुला ली।प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका का कहना है कि जो आरोप लगाया गया वह बेबुनियाद है। खंड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद का कहना है कि सच क्या है इसकी जांच कराई जा रही है। कोई दोषी पाया जाएगा तो कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी लाभ दिलाने के नाम पर किसानों से पैसा लेने का ऑडियो वायरल

संवाददाता—अयोध्या। किसान सम्मान निधि व कृषि यंत्र दिलाने के नाम पर एक प्राविधिक सहायक द्वारा किसानो से पैसे लिये जाने मामला प्रकाश में आया है। कर्मचारी के कारनामे का ऑडियो वायरल हो रहा है। सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने एवं आधुनिक वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान सम्मान निधि और कृषि यंत्रों पर अनुदान राशि दे रही है। इसे लेकर एक प्राविधिक सहायक अपने क्षेत्र में किसानों से रुपये ऐंठ कर उन्हें लाभ दिलाने का भरोसा दे रहा है। वायरल हो रहे ऑडियो में एक किसान ने तीन किसानों को किसान सम्मान निधि दिलाने के लिये 15 सौ रुपये लिये है। इसके अलावा कृषि यंत्र दिलाने के लिए 35 हजार रुपये की मांग की गई। परन्तु किसान पहले कार्य को परखने के बाद ही धन देने की बात कह रहा है। फिलहाल इस वायरल हो रहे आडियो को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है।

मारपीट की धारा में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

संवाददाता—अयोध्या। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत तेंदुआमाफी मजरे पूरे किल विलहन में गाय के गोबर को फेंकने को लेकर गांव के कुछ लोगों ने एक मजदूर की पिटाईकर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित सूरज उपाध्याय पुत्र स्व. शिववरन उपाध्याय ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि बीते शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे घर पर काम कर रहे मजदूर जैसराज पुत्र रामदेव द्वारा जब सैकड़ों वर्षों से स्थित घर में गाय का गोबर फेंकते समय पड़ोसी पवन कुमार, राज कुमार व पवन की पत्नी सरिता व पवन की माता शारदा देवी आदि ने मजदूर जैसराज को लाठी डंडों से मरने लगे व कुल्हाड़ी लेकर दौड़ा लिया और मारपीट करते हुए मेरे घर में घुस आए। कोतवाल लालचंद सरोज ने बताया कि उक्त आरोपियों के विरुद्ध 352, 452, 323, 504, 506 आईपीसी की धारा में अभियोग पंजीकृत कराया।

राखी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूछा– कब तक पूरी होगी जांच? नेपाल में मिला था शव

संवाददाता—गोरखपुर। भारत और नेपाल के कानूनी पेंच में उलझ गई है राखी हत्याकांड की गुत्थी। साढ़े पांच वर्ष बाद भी नहीं अभी तक नहीं सुलझ सकी है। गोरखपुर पुलिस, इंटरपोल की मदद से पोस्टमार्टम रिपोर्ट व पंचायतनामा की कॉपी हासिल करने की कई बार कोशिश कर चुकी है। हाईकोर्ट ने दो दिन पहले फिर पुलिस से केस के बारे में जानकारी मांगी तो गृह मंत्रालय को पत्र भेजा गया है। पुलिस की कोशिश है कि नेपाल से रिपोर्ट मिल जाए। इसके बाद चल रही विवेचना का निपटारा कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के बिछिया में रहने वाली राजेश्वरी श्रीवास्तव उर्फ राखी एक जून, 2018 को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। भाई अमर प्रकाश ने शाहपुर थाने में चार जुलाई, 2018 को पति बिहार के वजीरगंज थाना क्षेत्र स्थित लोहगरा निवासी मनीष सिन्हा पर अपहरण का केस दर्ज कराया। जांच में पता चला कि राखी को लेकर मनीष नेपाल गया था। तीन जून तक राखी, मनीष के साथ रही और बाद में मनीष को वापस भेज दिया। पांच जून से मनीष की राखी से बात नहीं हो पा रही थी। उसका व्हाट्सएप चल रहा था। मैसेज का वह जवाब नहीं दे रही थी। मनीष ने 24 जून को राखी के बारे में कुछ पता नहीं चलने की सूचना उसके भाई को दी तो उसने अपहरण का केस दर्ज करा दिया। छह माह तक राखी का मोबाइल फोन चालू रहा। व्हाट्सएप और फेसबुक भी एक्टिव रहा। चार अक्तूबर, 2018 को मोबाइल फोन बंद होने पर एसटीएफ ने फोटो लेकर छानबीन की तो पता चला कि आठ जून, 2018 को नेपाल के पोखरा में उसका शव मिला था। पहाड़ से धक्का देकर उसे गिराया गया था। एसटीएफ ने सर्विलांस की मदद से जांच की तो शहर के एक सर्जन का नाम सामने आया।

21 दिसंबर 2018 को नेपाल पुलिस ने एक शव का फोटो उत्तर प्रदेश सरकार को इस आशय से भेजा कि शव भारत का हो सकता है। डीजीपी कार्यालय में फोटो गया, फिर क्या चंद सेकेंड में ही मामला खुलने लगा। डीजीपी कार्यालय में तैनात एक सिपाही ने शव की पहचान राखी के रूप में कर दी। वह सिपाही आरोपी डॉक्टर डीपी सिंह का गनर रह चुका था। उसके बताने पर एसटीएफ को जांच का जिम्मा सौंपा गया। एसटीएफ ने जांच की और फिर डॉक्टर डीपी सिंह को उसके दो दोस्तों समेत हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने दावा किया कि नेपाल में ही राखी को शराब में जहर दिया गया था। फिर पहाड़ से नीचे फेंक दिया गया था। जांच में साक्ष्य मिलने के बाद एसटीएफ ने डॉक्टर और उनके दो कर्मचारियों को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया। शाहपुर थाना पुलिस ने अपहरण के मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ा दी। इस मामले की अभी तक विवेचना चल रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व पंचायतनामा की सर्टिफाइड कॉपी नहीं मिलने से अभी तक इस केस में आरोप पत्र दाखिल नहीं हो सका है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि हाईकोर्ट से केस के बारे में जानकारी मांगी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए गृह मंत्रालय को फिर से पत्र भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर ही प्रकरण में चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

खंभे कही और लगा दिए, गाटा संख्या कही और का

संवाददाता—गोरखपुर। रेलवे बोर्ड के विशेष प्रोजेक्ट में शामिल सहजनवां–दोहरीघाट रेल लाइन भूमि अधिग्रहण से पहले किसानों ने आपत्तियां दाखिल करनी शुरू कर दी है। गजट जारी होने के बाद 70 से अधिक किसानों ने भूमि अध्याप्ति कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। गोला के किसानों ने बताया है कि रेलवे ने एलाइनमेंट के लिए खंभे कहीं और लगा दिए हैं, जबकि गाटा संख्या कहीं और का दिखा दिया गया है।

आपत्ति मिलने के बाद रेलवे और जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सबसे अधिक आपत्ति गोला तहसील के किसानों ने ही दाखिल की है। इसके अलावा बांसगांव के किसानों ने स्टेशन दूर होने की आपत्ति दाखिल की है। सहजनवां में भी एलाइनमेंट के लिए खंभे कहीं और लगा दिए गए हैं। जबकि, गाटा संख्या कहीं और का दर्ज करा दिया गया है। इसी तरह खजनी से भी कुछ किसानों ने इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराई हैं। किसानों की तरफ से आपत्ति मिलने के बाद भूमि अध्याप्ति विभाग ने रेलवे को पत्र लिखकर जांच कराने की बात कही है। साथ ही किसानों से जल्द से जल्द आपत्ति भी मांगे हैं। क्योंकि, 18 फरवरी आपत्ति दाखिल करने की अंतिम तिथि है।

सहजनवां–दोहरीघाट रेलवे लाइन के लिए 112 गांवों में कुल 533 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण रेलवे लाइन के लिए होना है। इनमें 109 गांव गोरखपुर और तीन गांव मऊ जिले के शामिल हैं। 81 किलोमीटर के इस प्रोजेक्ट पर रेलवे 1319 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके लिए रेलवे ने 220 करोड़ रुपये बजट में जारी कर दिए हैं। इसमें पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने 110 करोड़ रुपये जिला प्रशासन को भेज दिए हैं। जल्द ही 110 करोड़ रुपये और रेलवे जिला प्रशासन को भेजेगा।

बांसगांव तहसील से 100 से अधिक किसानों ने भूमि अध्याप्ति कार्यालय में फॉर्म भरकर मुआवजे की राशि मांगी है। किसानों का कहना है कि जब जमीन जा रही है तो जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। वहीं, विभाग का कहना है कि आपत्ति निस्तारण के बाद ही मुआवजे की राशि किसानों के खाते में भेजी जाएगी।

सुशील कुमार गौड़, सीआरओ ने कहा कि गजट जारी होने के बाद किसानों ने आपत्ति दाखिल करनी शुरू कर दी है। अब तक 70 से अधिक किसानों की आपत्ति आ चुकी है। इसके निस्तारण के लिए रेलवे को पत्र लिखा गया है। आपत्ति निस्तारण के बाद मुआवजे की राशि किसानों के खातों में भेजी जाएगी।

उपभोक्ताओं ने कनेक्शन में शुल्क जमा किया 7500 रुपये, लग रहा 1500 वाला पोस्टपेड मीटर

संवाददाता—गोरखपुर। बिजली निगम की लापरवाही का खामियाजा उपभोक्ताओं उठा रहे हैं। शहरी क्षेत्र के चारों बिजली खंड में 60 से अधिक प्रीपेड कनेक्शन वाले उपभोक्ता अपने परिसर के खराब मीटर को लेकर घूम रहे हैं। खंड या उपखंड दफ्तर पहुंच शिकायत करने पर पहले प्रीपेड खत्म होने की जानकारी दी जाती। उपभोक्ता जब कटिया लगाने की बात बोलते तो उन्हें पोस्टपेड मीटर लगवाने की सलाह दी जा रही है। उपभोक्ता परेशान हैं कि कनेक्शन के समय 7500 हजार रुपये मीटर शुल्क जमा करवा अब 1500 रुपये वाला पोस्टपेड मीटर लगवाने की सलाह दी जा रही। हालांकि, इसके लिए किसी शुल्क की मांग नहीं की जा रही। भरोसा दिलाया जा रहा कि प्रीपेड मीटर वाले अतिरिक्त शुल्क को बिजली बिल में समाहित कर दिया जाएगा। बिजली निगम उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड मीटर की व्यवस्था लेकर आया था। शहर में करीब सात हजार उपभोक्ताओं के परिसर में प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। सात सौ से अधिक आवेदन भी लंबित है। लेकिन, वर्तमान में प्रीपेड मीटर नहीं होने से नए मीटर नहीं लग पा रहे हैं। दरअसल, प्रीपेड मीटर के लिए मीटर शुल्क सात हजार रुपये जमा करना होता है। और पोस्टपेड मीटर के लिए 1500 रुपये का शुल्क देना पड़ता। ऐसे में अब मीटर खंड की तरफ से प्रीपेड शुल्क लेकर पोस्टपेड लगवाया जा रहा। उपभोक्ताओं में नाराजगी है। मजबूरन लाइनमैन या अन्य लोगों के साथ साझेदारी कर बाइपास कर बिजली उपभोग कर रहे हैं। लेकिन, विजिलेंस की जांच में बिजली चोरी में पाबंद हो जाएंगे। बिजली निगम के सूत्रों ने बताया कि इसमें स्थानीय स्तर पर उपभोक्ताओं से सांठगांठ कर अवैध लाइनें खींची जा रही हैं। इससे बिजली निगम को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल ने 29 फरवरी तक का समय अभियंताओं को दिया है। इस दौरान आईडीएफ(इंस्ट्रूमेंट डिफेक्टिव) कनेक्शनों के मीटर बदले जाने हैं। इनकी वजह से उपभोक्ताओं के बिजली आरडीएफ(रीडिंग डिफेक्टिव) हो जा रहे। इन्हें अगर 29 फरवरी तक नहीं बदला गया तो मीटर खंड के एक्सईन का निलंबन और अधिशासी अभियंता को चार्जशीट दी जाएगी। ऐसे में एक्सईन अपने स्तर से मीटरों को बदले जाने की तेजी कर रहे हैं।

महानगर में 278 खराब प्रीपेड मीटर अगस्त महीने में आए थे। इनमें से कुछ मीटर जब उपभोक्ताओं के परिसर में लगाए गए तब इनके खराब होने की जानकारी मिली। इन मीटर में तिथि वर्ष 2018 आ रही थी। बिल गड़बड़ होने की आशंका से उपभोक्ता परेशान होने लगे। भंडार खंड से मीटर खंड ने कुछ मीटर बदले, जबकि कुछ वैसे ही चल रहे। गोलघर के व्यापारी हैं हरिश्चंद्र जायसवाल। चार किलोवाट बिजली कनेक्शन पर प्रीपेड मीटर लगा था। खराब होने पर उन्होंने मीटर बदलने का आवेदन किया। मीटर खंड ने प्रीपेड मीटर खत्म होने पर पोस्टपेड मीटर लगाने की बात कही। उपभोक्ता ने मना कर दिया।

बक्शीपुर खंड में टावर संचालक ने प्रीपेड मीटर का शुल्क जमा कर बिजली कनेक्शन का आवेदन किया। प्रीपेड मीटर नहीं होने पर मीटर परीक्षण खंड की तरफ से उपभोक्ता के परिसर में पोस्टपेड मीटर लगवा दिया गया।

मजबूरन उपभोक्ता भी सात हजार रुपये शुल्क जमा कर पोस्टपेड मीटर लगवा चुका है। मुख्य अभियंता आशु कालिया ने बताया कि प्रीपेड मीटर नहीं होने से उपभोक्ताओं के परिसर में पोस्टपेड मीटर लगाया जा रहा है। जल्दी ही इनकी ये समस्या खत्म हो जाएगी। प्रीपेड और स्मार्ट मीटर भी जल्द लगने शुरू हो जाएंगे। उपभोक्ता बाइपास कर बिजली न जलाएं। जिन उपभोक्ताओं के परिसर में पोस्टपेड लगवाए जाएंगे, उनके बिजली बिल में मीटर के दर को समाहित किया जाएगा। किसी उपभोक्ता का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—अयोध्या। हैदरगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत भोपा डुहिया गांव में नमाज पढ़कर लौट रहे बुजुर्ग को बाइक सवार युवक ने जोरदार टक्कर मार दिया। लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। मामले में पुत्र की तहरीर पर हैदरगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। भोपा डुहिया गांव निवासी मुसीबत अली पुत्र अकबर अली उम्र लगभग 70 वर्ष जुमे की नमाज पढ़ कर घर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से गांव का एक युवक अपने परिवार की महिला को बाइक पर बैठाकर जा रहा था। बाइक की टक्कर लगने से मुसीबत अली गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल सुल्तानपुर ले जाया गया। हालत गंभीर देख उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। बीती रात करीब 2.35 पर इलाज के दौरान मुसीबत अली की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। रविवार को मृतक के पुत्र इसरार अहमद ने हैदरगंज थाने में तहरीर दी।

नगर निगम की 'तीसरी आंख' करेगा सफाई व्यवस्था की निगरानी, शोहदों पर भी रहेगी नजर

संवाददाता—गोरखपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण–2024 में बेहतर रैंकिंग पाने के लिए गोरखपुर नगर निगम ने अपनी तैयारी अभी से शुरू कर दी है। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने पर निगम का जोर है। इसके तहत शहर की पूरी सफाई व्यवस्था की निगरानी अब ऑनलाइन की जाएगी। 80 वार्डों में कहीं भी गंदगी का ढेर होगा तो नगर निगम को कैमरे से ही पता लग जाएगा। इसके साथ ही शहर में शोहदों और शराब पीकर हुड़दंग करने वालों की भी खैर नहीं होगी। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत नगर निगम में इंटीग्रेटेड म्यूनिसिपल सर्विसेज सिस्टम बनाया जा रहा है। चयनित फर्म ने कंट्रोल सेंटर को बनाने का काम भी शुरू कर दिया है। सेंटर को नगर निगम के भूतल पर बनाया जा रहा है। इसको सफाई, शहरवासियों की सुरक्षा और गुणवत्ता को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इससे सिटी ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत शहर में लगे कैमरों की भी फीड ली जाएगी। आईएमएसएस के डाटा को सुरक्षित रखा जाएगा। राज्य स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत नगर निगम इस कार्य पर 5.15 करोड़ रुपये खर्च करेगा। प्रोजेक्ट के लिए टेक्नोसिस इंटीग्रेटेड सॉल्यूशंस का चयन किया गया है, जिसने काम भी शुरू कर दिया है। मुख्य अभियंता संजय सिंह चौहान ने बताया कि चयनित फर्म पांच साल तक इस सेंटर का रखरखाव करेगी। योजना के तहत शहर 80 वार्डों में लगाए गए 500 से अधिक कैमरे जुड़ेंगे। रिकार्ड किए गए फुटेज को स्थानीय स्तर पर स्टोर किया जा सकेगा। इसी सोच के साथ नगर निगम वार्डों के अलावा महानगर के बैंक, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, पेट्रोल पंप, मौजूदा आईटीएमएस कंट्रोल रूम के साथ शराब की दुकान समेत सभी कैमरों को लाइव फुटेज में देख सकेगा। इंटीग्रेटेड म्यूनिसिपल सर्विसेज सिस्टम के कंट्रोल रूम में एक बड़ी एलईडी स्क्रीन लगेगी जिससे किसी भी जगह की फीड देखी जा सकेगी। इसमें फुटेज के साथ आवाज भी रिकार्ड किया जा सकेगा। कंट्रोल रूम से संदेश भी प्रसारित होंगे। कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि स्वच्छ सर्वेक्षण में गोरखपुर की रैंकिंग 74 से 22 पर आ गई है। गोरखपुर को गार्बेज फ्री सिटी में थ्री स्टार रैंकिंग मिल गई है। इसे अब अच्छा और सुंदर शहर माना जाता है। उन्होंने कहा था कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि अगली स्वच्छता रैंकिंग में गोरखपुर टॉप टेन और फिर टॉप थ्री में शामिल हो। इसके लिए जनता को और जागरूक करना होगा। इसी के तहत अब शहर की सफाई व्यवस्था की निगरानी ऑनलाइन करने की तैयारी है। जल्द ही यह सेंटर पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा।

सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय के सिद्धांत पर चलने की आवश्यकता

संवाददाता—संतकबीरनगर। हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भारत को सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर चलने की जरूरत है। भारत व नेपाल देश दोनों मित्र हैं। ये देश हमेशा अपना संबंध बनाए रखते हैं। निरंतरता एवं परिवर्तन विषय पर आयोजित संगोष्ठी का आयोजन भारतीय वैश्विक परिषद नई दिल्ली एवं हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने किया। संगोष्ठी के दूसरे दिन के तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. विजय कुमार राय एवं संचालन डॉ. मनोज कुमार मिश्र ने किया। इस सत्र में ऑनलाइन एवं आफलाइन माध्यम से 33 शोधपत्र प्रस्तुत किये गए। प्रस्तुति के बाद अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार राय ने इन शोध पत्रों के विषयों की प्रसंगिकता की प्रशंसा की व शोध पत्रों में सुधार बिन्दुओं को इंगित किया। उन्होंने भारत के सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय के सिद्धांत पर चलते हुए छोटे भाई नेपाल के प्रति भारत को बड़े भाई की भूमिका का सम्यक निर्वहन करने पर जोर दिया। समापन समारोह के स्वागत भाषण के दौरान प्राचार्य प्रोफेसर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने सभी अतिथि गणों, वक्ताओं व श्रोताओं का स्वागत किया। समापन समारोह के अध्यक्ष प्रो. रिपुसूदन सिंह, बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय ने भारत के विरुद्ध फैलाई गई धारणाओं पर चर्चा की। कहा इन भारत विरोधी धारणाओं को भारत अपने गहरे सांस्कृतिक संबंधों के द्वारा दूर कर सकता है। इस समारोह के मुख्य अतिथि दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि 1950 की नेपाल भारत की संधि विश्वास की संधि रही। भारत को चीन के भारत के खिलाफ नैरेटिव बनाने व उसे नेपाल के पड़ोसी राष्ट्रों में प्रचारित करने से भी आगाह किया। उन्होंने आगाह किया कि भूटान दूसरा नेपाल बन सकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ महेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अमेरिका नेपाल में चीन की भागीदारी को चीन नेपाल में भारत की भागीदारी को व भारत नेपाल में चीन की भागीदारी को रोकना चाहते है। अमेरिका, चीन और भारत के राजनीतिक व कूटनीतिक नीतियों का नेपाल हिस्सा रहा है। भारत का नेपाल के साथ आर्थिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सम्बन्ध रहा है परन्तु चीन का सिर्फ आर्थिक सम्बन्ध रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर दिग्विजय नाथ पांडे ने बताया कि इस संगोष्ठी में 167 ऑनलाइन व 77 ऑफलाइन प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। भारत–नेपाल के रिश्तों को सुधारने के लिए राजनीतिक यात्राओं, समझौताओं व भारत द्वारा नेपाल को दिए जाने वाले आर्थिक सहायताओं की चर्चा की। एबीवीपी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही ने महाविद्यालय को ऐसे ज्वलंत विषय पर चर्चा के लिए बधाई दी। कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भारत किस तरीके से नेपाल के युवा वर्ग से जुड़ सकता है। संगोष्ठी की सिफारिशों पर चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूप दिया गया।

प्रधान प्रतिनिधि और ग्रामीणों में विवाद, मारपीट का लगाया आरोप

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के बेलहर थाना क्षेत्र के गोइठहा में प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। प्रधान प्रतिनिधि ने गांव के लोगों पर गाली–गलौज और मारपीट करने का आरोप लगा तहरीर दी है। दूसरे पक्ष ने भी मारने–पीटने का आरोप लगाया है। थाने के साथ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। गोइठहा गांव के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामकेश शर्मा ने बेलहर थाना में तहरीर दी है। तहरीर में बताया है कि वे अमृत सरोवर पर चल रहे कार्य को देखने के लिए गए थे। इसी बीच गांव के ही बदरुदीन पुत्र मुस्तकीम, कायाराम पुत्र रामललित, सोनू पुत्र कायाराम व रामकरन पुत्र अशर्फी पहुंच गए। काम कराने को लेकर विवाद करने लगे। मना करने पर मारपीट करने पर उतर गए। किसी तरह वहां से भागकर जान बचाई। शिकायती पत्र में आरोपितों पर कार्रवाई की मांग की है। गोइठहा के मामले में हुई मारपीट के मामले में दूसरे पक्ष ने भी बेलहर थाने व पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई करने की मांग की है।

बेलहर थाना में दिए गए तहरीर में गोइठहा निवासी कायाराम पुत्र रामललित ने बताया है कि उनका पुत्र सोनू अमृत सरोवर की तरफ गया था। वहां जेसीबी से कार्य हो रहा था जिसका वीडियो बनाने लगा। इसी बीच मौके पर सांथा ब्लाक का ठेकेदार अबरार, अनवारुल, सेराजुलहक व सचिव मोहम्मद अफजल पहुंच गए। वीडियो बना रहे लड़के से मोबाइल छीन लिया व गाली गलौज करने लगे। जिसका विरोध करने पर मारपीट करने पर उतर आए। इसके साथ ही दोबारा वीडियो बनाने पर मारने की धमकी देने लगे। जिससे हम लोग डरे हुए हैं उक्त मामले की तहरीर बेलहर थाने व पुलिस अधीक्षक को देकर कार्रवाई करने की मांग की है। थानाध्यक्ष बेलहर कला सरोज शर्मा ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर मिली है। मामला बढ़े न इसलिए दोनों पक्ष के लोगों को शांति भंग में पाबंद कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com